शुक्रवार, 20 मार्च, 2026

www.tvbharatvarsh.in

E-PAPER

कुल पृष्ठ–08

CSK को बड़ा झटका, नाथन एलिस पूरे सीजन से बाहर

Page-04

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

'मिर्जापुर: द मूवी' 4 सितंबर को सिनेमाघरों में में होगी रिलीज

Page-05

अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ का ईरान पर "सबसे बड़े हमले" का बयान ऐसे समय आया है, जब पश्चिम एशिया में हालात बेहद तनावपूर्ण बने हुए हैं। हाल के दिनों में अमेरिका और ईरान के बीच सीधी और अप्रत्यक्ष सैन्य झड़पों में तेजी आई है, जिससे पूरे क्षेत्र में अस्थिरता बढ़ गई है।

रक्षा मंत्री ने दी 'सबसे बड़े हमले' की चेतावनी

अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने एक बार फिर कड़ा बयान दिया है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि ईरान को जल्द ही एक और बड़े हमले का सामना करना पड़ेगा और यह संघर्ष अमेरिका की शर्तों पर ही समाप्त होगा। हेगसेथ ने जोर देकर कहा कि वाशिंगटन अपने सैन्य मिशन को हर हाल में पूरा करेगा।रक्षा मंत्री के अनुसार, अमेरिकी सेना अब तक ईरान के 7,000 से अधिक ठिकानों पर हमला कर चुकी है। उन्होंने बताया कि गुरुवार को भी बड़े स्तर पर सैन्य कार्रवाई जारी रहेगी, जो पिछले हमलों की तरह ही व्यापक होगी। हेगसेथ ने दावा किया कि अमेरिकी सैन्य ताकत लगातार बढ़ रही है, जबकि ईरान की क्षमताएं तेजी से कमजोर हो रही हैं।उन्होंने यह भी कहा कि ईरान की हवाई रक्षा प्रणाली लगभग पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है, जिससे अमेरिका को रणनीतिक बढ़त मिल गई है। खासतौर पर खारग द्वीप पर किए गए हमलों को उन्होंने महत्वपूर्ण बताया और कहा कि इससे क्षेत्र में अमेरिका की पकड़ मजबूत हुई है।अपनी ब्रीफिंग के दौरान हेगसेथ ने युद्ध में शहीद हुए अमेरिकी सैनिकों को श्रद्धांजलि भी दी। उन्होंने बताया कि हाल ही में शहीद जवानों के पार्थिव शरीर वापस लाए गए, जहां राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी मौजूद थे। इस दौरान शहीदों के परिवारों ने प्रशासन से अपील की कि मिशन पूरा होने तक कार्रवाई जारी रखी जाए।हेगसेथ ने कहा कि अमेरिका अपने सैनिकों के बलिदान को व्यर्थ नहीं जाने देगा और पूरी प्रतिबद्धता के साथ अभियान को आगे बढ़ाएगा। उन्होंने साफ किया कि जब तक लक्ष्य हासिल नहीं हो जाता, तब तक अमेरिका पीछे नहीं हटेगा।

नासिक में ज्योतिषी गिरफ्तार शोषण और ब्लैकमेल का आरोप

महाराष्ट्र के नासिक में एक कथित ज्योतिषी को महिलाओं के साथ गंभीर अपराधों के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार, 67 वर्षीय अशोक खरात पर एक 35 वर्षीय महिला ने बार-बार शोषण और ब्लैकमेल करने का आरोप लगाया है। शुरुआती जांच में यह भी संकेत मिले हैं कि वह कई अन्य महिलाओं को भी अपना शिकार बना चुका है।एफआईआर के मुताबिक, आरोपी खुद को रिटायर्ड मर्चेंट नेवी अधिकारी बताकर "कैप्टन" के नाम से पहचान बनाता था। वह महिलाओं को उनकी व्यक्तिगत समस्याओं का समाधान करने का भरोसा देकर अपने कार्यालय बुलाता था।वहां पहुंचने के बाद वह कथित तौर पर उन्हें नशीला पदार्थ देकर काबू में करता और फिर उनके साथ गलत हरकतें करता था।पुलिस का कहना है कि आरोपी महिलाओं को डराने-धमकाने के लिए अंधविश्वास और तंत्र-मंत्र का सहारा लेता था। खासकर उनके परिवार को नुकसान पहुंचाने की धमकी देकर उन्हें चुप रहने के लिए मजबूर किया जाता था।

अहमदाबाद में नकली नोटों का बड़ा भंडाफोड़, 2.38 करोड़ के फर्जी नोट बरामद

अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने नकली नोटों के एक बड़े गिरोह का पर्दाफाश करते हुए करोड़ों रुपये के फर्जी नोट बरामद किए हैं। क्राइम ब्रांच के डीसीपी अजीत राजिया के अनुसार, पुलिस को सूचना मिली थी कि कुछ लोग बड़े पैमाने पर नकली नोटों की हेराफेरी में शामिल हैं।सूचना के आधार पर एसीपी और पीआई के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। टीम ने कार्रवाई करते हुए अमराईवाड़ी इलाके में एक फॉर्च्यूनर कार को रोका। जब वाहन की तलाशी ली गई, तो उसमें से 500 रुपये के नकली नोटों की बड़ी खेप बरामद हुई, जिसकी कुल कीमत करीब 2.38 करोड़ रुपये आंकी गई है।जांच के दौरान यह भी सामने आया कि इन नकली नोटों की तस्करी सत्यम योग फाउंडेशन के नाम पर चल रहे वाहन के जरिए की जा रही थी। चौंकाने वाली बात यह है कि नोटों की सप्लाई के लिए इस्तेमाल किए गए कागजातों पर भारत सरकार और आयुष मंत्रालय का नाम भी लिखा हुआ था, ताकि शक न हो।

दिल्ली अग्निकांड की शोकसभा में हंगामा:

AAP और BJP कार्यकर्ताओं के बीच झड़पखबर:

दिल्ली के पालम इलाके में हुए अग्निकांड के बाद आयोजित शोकसभा में उस वक्त माहौल तनावपूर्ण हो गया, जब आम आदमी पार्टी (AAP) और बीजेपी कार्यकर्ताओं के बीच तीखी झड़प हो गई। इस घटना के वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं, जिनमें लोगों को कुर्सियां फेंकते और धक्का-मुक्की करते देखा जा सकता है।AAP नेता सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि बीजेपी विधायक कुलदीप सोलंकी के समर्थकों ने उन पर कुर्सी फेंकी। वहीं, इस पूरे मामले को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी को पीड़ितों की कोई चिंता नहीं है और जो भी उनके प्रति सहानुभूति जताने पहुंचता है, उसे रोका जाता है।दरअसल, बुधवार को पालम क्षेत्र की एक चार मंजिला इमारत में भीषण आग लगने से 9 लोगों की मौत हो गई थी, जिनमें 3 नाबालिग लड़कियां भी शामिल थीं। इस दुखद घटना के बाद विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता पीड़ित परिवारों से मिलने पहुंच रहे थे।इसी क्रम में शोकसभा के दौरान सौरभ भारद्वाज और बीजेपी विधायक कुलदीप सोलंकी अपने-अपने समर्थकों के साथ मौजूद थे। बताया जा रहा है कि भारद्वाज ने एक वीडियो दिखाते हुए आरोप लगाया कि बचाव कार्य के दौरान हाइड्रोलिक मशीन ठीक से काम नहीं कर पाई, जिस पर प्रशासन की कार्यप्रणाली को लेकर सवाल उठाए गए।इसी मुद्दे पर दोनों पक्षों के बीच बहस शुरू हुई, जो जल्द ही गाली-गलौज और हाथापाई में बदल गई। इस दौरान शोकसभा का माहौल भी बिगड़ गया और अफरा-तफरी की स्थिति बन गई।

देशभर में नवरात्रि और हिंदू नववर्ष की धूम

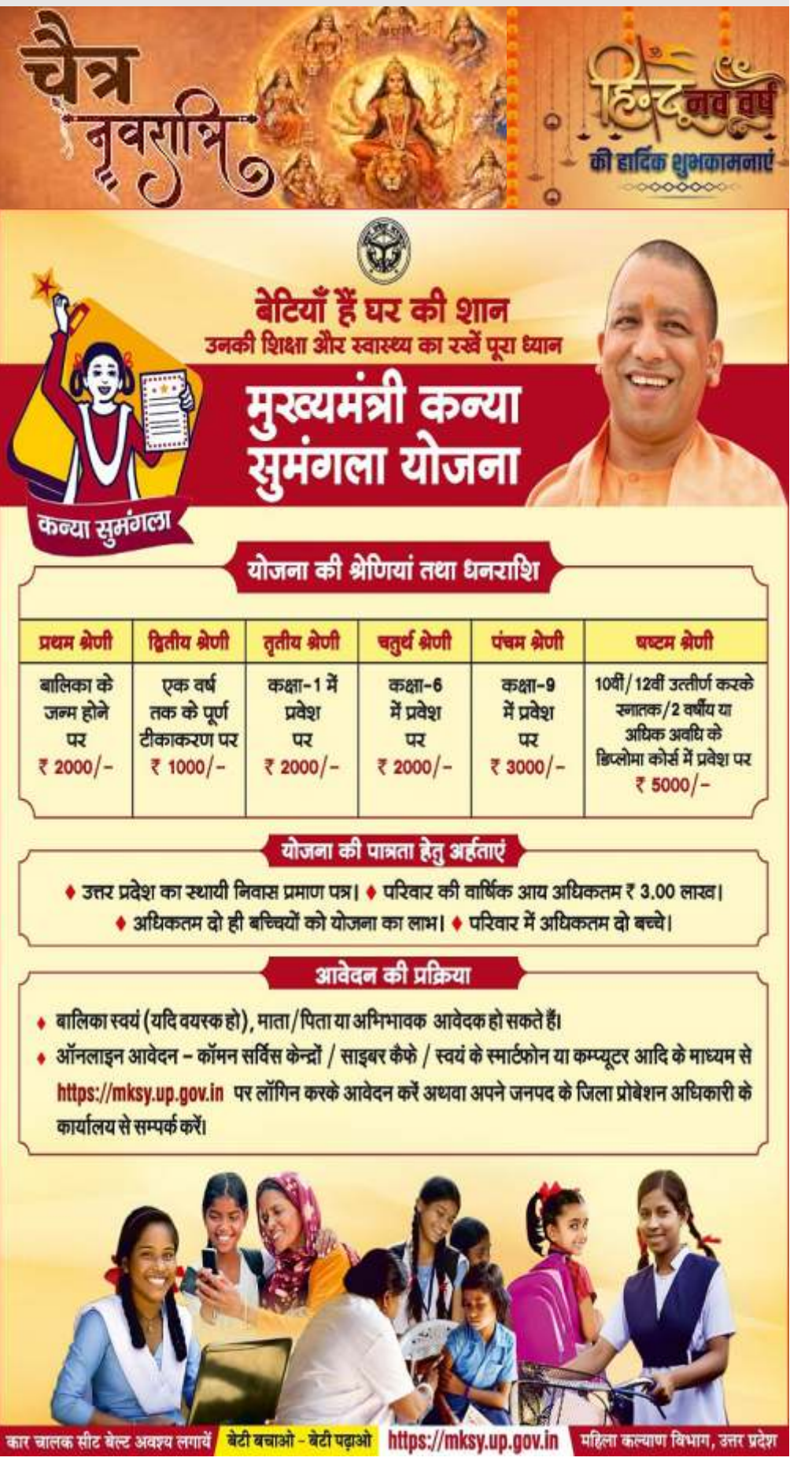

LPG को लेकर बड़ी राहत!

सरकार बोली—नहीं है कोई कमी

पेट्रोलियम मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि देश में एलपीजी की कोई कमी नहीं है और आपूर्ति सामान्य रूप से जारी है। सुजाता शर्मा ने बताया कि डिजिटल सिस्टम से पारदर्शिता बढ़ी है। सरकार ने अतिरिक्त वाणिज्यिक एलपीजी और पीएनजी विस्तार से स्थिति को और मजबूत किया है।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने गुरुवार को स्पष्ट किया कि देश में एलपीजी आपूर्ति को लेकर किसी भी प्रकार की कमी नहीं है और घरेलू उपभोक्ताओं तक सिलेंडर वितरण सामान्य रूप से जारी है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण ऊर्जा आपूर्ति को लेकर वैश्विक स्तर पर चिंताएं बढ़ी हुई हैं। अंतर-मंत्रालयी ब्रीफिंग के दौरान पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने कहा कि क्षेत्रीय हालात भले ही चिंताजनक बने हुए हों, लेकिन भारत में एलपीजी की आपूर्ति पूरी तरह स्थिर और निर्बाध है। उन्होंने कहा कि फिलहाल किसी भी एलपीजी वितरक को कमी का सामना नहीं करना पड़ रहा है और सभी उपभोक्ताओं को समय पर गैस सिलेंडर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने दोहराया कि सरकार स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है और आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। सुजाता शर्मा ने एलपीजी वितरण प्रणाली में हुए डिजिटल सुधारों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि वर्तमान में लगभग 94 प्रतिशत सिलेंडर बुकिंग ऑनलाइन माध्यम से की जा रही है, जिससे उपभोक्ताओं को सुविधा मिल रही है और पारदर्शिता भी बढ़ी है। इसके अलावा, डिलीवरी प्रमाणीकरण कोड प्रणाली भी 76 प्रतिशत तक प्रभावी साबित हुई है, जिससे यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि गैस सिलेंडर सही उपभोक्ता तक पहुंचे। वाणिज्यिक एलपीजी आपूर्ति के बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि शुरुआत में कुछ व्यवधान आए थे, जिसके कारण आपूर्ति प्रभावित हुई थी, लेकिन अब स्थिति में काफी सुधार हो गया है और आपूर्ति आंशिक रूप से बहाल हो चुकी है। उन्होंने बताया कि अब तक 17 राज्य सरकारों द्वारा वाणिज्यिक एलपीजी के आवंटन आदेश जारी किए जा चुके हैं और सभी राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों को आवश्यक आपूर्ति उपलब्ध करा दी गई है। मंत्रालय ने बाजार को और अधिक स्थिर बनाने के लिए अतिरिक्त कदम भी उठाए हैं। केंद्र सरकार ने 10 प्रतिशत अतिरिक्त वाणिज्यिक एलपीजी उपलब्ध कराने का प्रस्ताव रखा है, ताकि बढ़ती मांग को पूरा किया जा सके और कीमतों पर नियंत्रण रखा जा सके। इसके साथ ही, राज्य सरकारों से पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) नेटवर्क के विस्तार में सहयोग करने का आग्रह किया गया है, जिससे भविष्य में गैस आपूर्ति को और मजबूत किया जा सके। इन पहलों का सकारात्मक असर भी देखने को मिला है। पिछले दो सप्ताह में देशभर में लगभग 1.25 लाख नए घरेलू, वाणिज्यिक और औद्योगिक गैस कनेक्शन जारी किए गए हैं, जो इस दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है। इससे यह संकेत मिलता है कि सरकार आपूर्ति व्यवस्था को बेहतर बनाने और अधिक से अधिक लोगों तक गैस कनेक्शन पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

20वें दिन भी नहीं थमी जंग, हमलों से दहला मध्य पूर्व

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

मध्य पूर्व में जारी तनाव के बीच इज़राइल और ईरान के बीच संघर्ष और तेज हो गया है। गुरुवार को तेल अवीव में नए धमाकों की आवाजें सुनी गईं, जिससे क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया। अमेरिका-ईरान युद्ध के 20वें दिन में प्रवेश करने के साथ ही, हिंसा को रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कूटनीतिक प्रयास जारी हैं, लेकिन इसके बावजूद हमलों की तीव्रता कम होने के बजाय बढ़ती जा रही है।इस बीच, इज़राइल द्वारा ईरान के विशाल दक्षिण पार्स प्राकृतिक गैस क्षेत्र से जुड़े ठिकानों पर हमला किए जाने के बाद हालात और गंभीर हो गए। यह गैस क्षेत्र ईरान और कतर के बीच साझा किया जाता है और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। इस हमले के जवाब में ईरान ने खाड़ी देशों में स्थित तेल रिफाइनरियों और ऊर्जा सुविधाओं को निशाना बनाते हुए बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचाया है, जिससे पूरे क्षेत्र में अस्थिरता और बढ़ गई है। संघर्ष के बीच ईरान की संसद में भी एक अहम प्रस्ताव सामने आया है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ईरानी सांसदों ने रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों पर टोल और कर लगाने का प्रस्ताव रखा है। ईरानी सांसद सोमायेह रफीई ने समाचार एजेंसी आईएसएनए को बताया कि संसद एक ऐसी योजना पर काम कर रही है, जिसके तहत इस जलडमरूमध्य का उपयोग करने वाले देशों से पारगमन शुल्क लिया जा सकता है। होर्मुज जलडमरूमध्य वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग है, जहां से दुनिया के बड़े हिस्से का तेल और गैस परिवहन होता है। ऐसे में इस पर किसी भी प्रकार का शुल्क या प्रतिबंध वैश्विक बाजारों और आपूर्ति श्रृंखला पर व्यापक प्रभाव डाल सकता है।

सुरक्षा चुनौतियों के बीच

राजनाथ सिंह ने स्वदेशी क्षमता बढ़ाने पर दिया जोर

भारत का बड़ा कूटनीतिक दांव!

विक्रम दोरैस्वामी बने चीन में नए राजदूत

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

भारत सरकार ने एक महत्वपूर्ण कूटनीतिक नियुक्ति के तहत वर्तमान में यूनाइटेड किंगडम में भारत के उच्चायुक्त विक्रम दोरैस्वामी को पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना में भारत का नया राजदूत नियुक्त किया है। विदेश मंत्रालय द्वारा जारी आधिकारिक बयान में कहा गया है कि दोरैस्वामी (आईएफएस: 1992) जल्द ही बीजिंग में अपना पदभार ग्रहण करेंगे। वे इस पद पर प्रदीप कुमार रावत का स्थान लेंगे।बीजिंग में एक वरिष्ठ और अनुभवी राजनयिक की नियुक्ति ऐसे समय में की गई है जब भारत और चीन के बीच पूर्वी लद्दाख में पिछले चार वर्षों से जारी सीमा विवाद के कारण संबंध तनावपूर्ण रहे हैं। दोनों देश अब कूटनीतिक स्तर पर रिश्तों को सामान्य करने की दिशा में प्रयासरत हैं, ऐसे में दोरैस्वामी की नियुक्ति को रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। विदेश सेवा में 1992 बैच के अधिकारी दोरैस्वामी का करियर विविध और समृद्ध अनुभवों से भरा रहा है। भारतीय विदेश सेवा में शामिल होने से पहले उन्होंने लगभग एक वर्ष तक पत्रकारिता के क्षेत्र में भी काम किया। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय से इतिहास में स्नातकोत्तर की डिग्री हासिल की है। प्रशिक्षण पूरा करने के बाद उनकी पहली नियुक्ति मई 1994 में हांगकांग स्थित भारतीय दूतावास में तृतीय सचिव के रूप में हुई थी। इसी दौरान उन्होंने हांगकांग के चीनी विश्वविद्यालय के न्यू एशिया येल-इन-एशिया भाषा स्कूल से चीनी भाषा में डिप्लोमा भी प्राप्त किया। इसके बाद सितंबर 1996 में उन्हें बीजिंग स्थित भारतीय दूतावास में नियुक्त किया गया, जहां उन्होंने करीब चार वर्षों तक सेवाएं दीं। वर्ष 2000 में भारत लौटने पर उन्हें विदेश मंत्रालय में प्रोटोकॉल के उप प्रमुख (आधिकारिक) की जिम्मेदारी सौंपी गई। दो वर्षों बाद उन्हें प्रधानमंत्री कार्यालय में पदोन्नत किया गया, जहां उन्होंने भारत के प्रधानमंत्री के निजी सचिव के रूप में भी कार्य किया। इस नियुक्ति के साथ ही विदेश मंत्रालय ने अन्य महत्वपूर्ण तबादलों की भी घोषणा की है। सचिव (पूर्वी) पी. कुमारन को लंदन में नियुक्त किया गया है, जबकि अतिरिक्त सचिव पुनीत अग्रवाल को थाईलैंड भेजा गया है। वहीं नागेश सिंह का स्थानांतरण थाईलैंड से ऑस्ट्रेलिया किया गया है। इसके अलावा, वर्तमान में बांग्लादेश में भारत के उच्चायुक्त प्रणय वर्मा को ब्रुसेल्स में नई जिम्मेदारी सौंपी गई है।

ऊर्जा सुरक्षा से लेकर विदेशों में फंसे भारतीयों तक, सरकार ने दिया पूरा अपडेट

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

विदेश मंत्रालय की साप्ताहिक ब्रीफिंग में भारत ने वैश्विक घटनाक्रम, ऊर्जा सुरक्षा, विदेशों में फंसे भारतीय नागरिकों की स्थिति और क्षेत्रीय सुरक्षा से जुड़े कई अहम मुद्दों पर अपना रुख स्पष्ट किया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने विभिन्न सवालों के जवाब देते हुए सरकार की प्राथमिकताओं और रणनीति की जानकारी दी। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) द्वारा पकड़े गए छह यूक्रेनी और एक अमेरिकी नागरिक के मामले पर प्रवक्ता ने इसे कानूनी विषय बताते हुए कहा कि जांच जारी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत में कुछ क्षेत्र प्रतिबंधित होते हैं, जहां जाने के लिए विशेष अनुमति आवश्यक होती है, और यह मामला अब न्यायालय में तय होगा। साथ ही, भारत ने संबंधित देशों के साथ दूतावास स्तर पर संपर्क बनाए रखा है। भारत और अमेरिका के बीच नशीले पदार्थों के खिलाफ सहयोग पर भी प्रकाश डाला गया। जायसवाल ने बताया कि दोनों देशों के बीच एक कार्य समूह सक्रिय है, जो इस चुनौती से निपटने के लिए संस्थागत संवाद को बढ़ावा देता है। पाकिस्तान की गतिविधियों पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि उसकी भूमिका वैश्विक स्तर पर चिंता का विषय बनी हुई है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य में समुद्री गतिविधियों पर असर को लेकर भारतीय नाविकों की स्थिति पर भी जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि 22 जहाजों पर 611 भारतीय नाविक कार्यरत हैं, जिनमें से कई सुरक्षित लौट आए हैं। घायल 15 नाविकों को भी सुरक्षित वापस लाया गया है और सरकार लगातार कंपनियों के संपर्क में है।ऊर्जा आपूर्ति को लेकर प्रवक्ता ने चिंता जताई और कहा कि हालिया हमलों और समुद्री मार्गों में व्यवधान के कारण गैस आपूर्ति प्रभावित हुई है। भारत विभिन्न देशों के साथ बातचीत कर रहा है ताकि आपूर्ति सुचारु बनी रहे और घरेलू जरूरतों को प्राथमिकता दी जा सके।

ड्रोन हमलों से दहला कुवैत,

दूसरी रिफाइनरी को बनाया गया टारगेट

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

खाड़ी क्षेत्र में तनाव के बीच गुरुवार को कुवैत की एक प्रमुख तेल रिफाइनरी में ड्रोन हमले के कारण भीषण आग लग गई। सरकारी समाचार एजेंसी के अनुसार, यह आग मीना अल-अहमदी रिफाइनरी में लगी, जो मध्य पूर्व की सबसे बड़ी रिफाइनरियों में से एक है। हालांकि, इस घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। इसके साथ ही एक अन्य रिफाइनरी में भी आग लगने की खबर सामने आई है।मीना अल-अहमदी रिफाइनरी की उत्पादन क्षमता प्रतिदिन करीब 7,30,000 बैरल पेट्रोलियम है, जिससे यह क्षेत्र की ऊर्जा आपूर्ति के लिए बेहद महत्वपूर्ण मानी जाती है। इस हमले ने न केवल कुवैत बल्कि पूरे खाड़ी क्षेत्र की सुरक्षा और ऊर्जा ढांचे को लेकर गंभीर चिंता पैदा कर दी है।यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है, जब ईरान और इजरायल के बीच बढ़ते तनाव ने पूरे मध्य पूर्व को अस्थिर कर दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, इजरायल द्वारा ईरान के प्रमुख प्राकृतिक गैस क्षेत्र पर हमले के जवाब में ईरान ने कतर के एलएनजी संयंत्रों और कुवैत की रिफाइनरी को निशाना बनाया। इसके अलावा संयुक्त अरब अमीरात के तट पर एक जहाज में आग लगने और कतर के पास एक अन्य जहाज के क्षतिग्रस्त होने की भी सूचना है, जिससे होर्मुज जलडमरूमध्य में बढ़ते खतरे का संकेत मिलता है।कतर ने जानकारी दी कि ईरानी मिसाइल हमलों के बाद उसके एक प्रमुख एलएनजी संयंत्र में आग लग गई थी, जिसे दमकल कर्मियों ने बुझा दिया है। हालांकि, पहले से बंद पड़े इस संयंत्र को हुए नुकसान के कारण भविष्य में गैस आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। युद्ध समाप्त होने के बाद भी कतर को बाजार में आपूर्ति बहाल करने में समय लग सकता है।वहीं, अबू धाबी प्रशासन ने बताया कि हमलों के चलते हबशान गैस संयंत्र और बाब क्षेत्र में संचालन अस्थायी रूप से बंद करना पड़ा है। इसे क्षेत्र में "खतरनाक वृद्धि" करार दिया गया है। कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात ने ईरान के इन हमलों की कड़ी निंदा की है। इस पूरे घटनाक्रम का असर वैश्विक ऊर्जा बाजार पर भी देखने को मिला है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमत 110 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई है, जो 28 फरवरी के बाद से 50 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्शाती है। बढ़ती कीमतों ने दुनिया भर में ईंधन आपूर्ति और महंगाई को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं।

संपादक की कलम से

शिक्षा न केवल व्यक्ति को ज्ञान प्रदान करती है, बल्कि उसे एक जिम्मेदार नागरिक भी बनाती है। हालांकि, भारत की वर्तमान शिक्षा प्रणाली कई चुनौतियों का सामना कर रही है, जिन पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है।आज भी हमारी शिक्षा प्रणाली काफी हद तक रटने (रोट लर्निंग) पर आधारित है। छात्र परीक्षा में अच्छे अंक लाने के लिए तथ्यों को याद करते हैं, लेकिन उनकी समझ और व्यावहारिक ज्ञान पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जाता। इसका परिणाम यह होता है कि विद्यार्थी वास्तविक जीवन की समस्याओं का समाधान करने में असमर्थ रहते हैं।इसके अलावा, पाठ्यक्रम और उद्योग की आवश्यकताओं के बीच भी एक बड़ा अंतर देखने को मिलता है। कई छात्र अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद भी रोजगार के लिए आवश्यक कौशल से वंचित रहते हैं। इससे बेरोजगारी की समस्या और भी गंभीर हो जाती है। इसलिए यह जरूरी है कि शिक्षा प्रणाली को समय के अनुसार अपडेट किया जाए और उसमें व्यावसायिक तथा कौशल आधारित शिक्षा को अधिक महत्व दिया जाए।शिक्षकों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। एक अच्छा शिक्षक न केवल ज्ञान देता है, बल्कि छात्रों को प्रेरित भी करता है। लेकिन कई जगहों पर शिक्षकों की कमी और प्रशिक्षण का अभाव शिक्षा की गुणवत्ता को प्रभावित कर रहा है। सरकार को इस दिशा में ठोस कदम उठाने चाहिए, ताकि शिक्षकों को बेहतर प्रशिक्षण और संसाधन मिल सकें।तकनीक का उपयोग शिक्षा के क्षेत्र में एक बड़ा बदलाव ला सकता है। ऑनलाइन शिक्षा, स्मार्ट क्लास और डिजिटल संसाधनों के माध्यम से सीखने की प्रक्रिया को अधिक प्रभावी और रोचक बनाया जा सकता है। हालांकि, यह भी ध्यान रखना होगा कि ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में सभी छात्रों को समान अवसर मिलें।अंततः, शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री प्राप्त करना नहीं होना चाहिए, बल्कि व्यक्तित्व का समग्र विकास होना चाहिए। इसके लिए आवश्यक है कि हम अपनी शिक्षा प्रणाली में सुधार करें और उसे अधिक व्यावहारिक, समावेशी और आधुनिक बनाएं। यदि हम आज इस दिशा में कदम उठाते हैं, तो निश्चित ही भविष्य में एक सशक्त और आत्मनिर्भर समाज का निर्माण कर पाएंगे।

ममता का केंद्र पर हमला

बंगाल में 'अघोषित आपातकाल' का आरोप,

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने चुनाव से पहले अधिकारियों के तबादलों को राजनीतिक हस्तक्षेप बताते हुए चुनाव आयोग की आलोचना की। वहीं भाजपा ने टीएमसी पर तुष्टीकरण की राजनीति का आरोप लगाया। दोनों पक्षों के आरोप-प्रत्यारोप से राज्य में चुनावी माहौल और ज्यादा गरमा गया है।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आगामी विधानसभा चुनावों से पहले राज्य को अनुचित रूप से निशाना बनाए जाने का आरोप लगाते हुए चुनाव आयोग की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने दावा किया कि चुनाव अधिसूचना जारी होने से पहले ही शीर्ष प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों समेत 50 से अधिक वरिष्ठ अधिकारियों को मनमाने ढंग से हटा दिया गया है। ममता बनर्जी ने इस कदम को "राजनीतिक हस्तक्षेप" करार देते हुए कहा कि इस तरह की कार्रवाइयां संस्थागत निष्पक्षता को कमजोर करती हैं और राज्य में स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव कराने की प्रक्रिया पर सवाल खड़े करती हैं। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि इस प्रकार के निर्णय न केवल प्रशासनिक स्थिरता को प्रभावित करते हैं, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता को भी नुकसान पहुंचाते हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव से ठीक पहले इस तरह के बड़े पैमाने पर तबादले और हटाए जाने से यह संदेह पैदा होता है कि चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित करने की कोशिश की जा रही है।वहीं दूसरी ओर, भारतीय जनता पार्टी के नेता जगन्नाथ पॉल (पॉल) ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और वामपंथी दलों पर निशाना साधते हुए उन पर "तुष्टीकरण की राजनीति" करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि वर्षों से अल्पसंख्यक समुदायों के नाम पर राजनीति की जा रही है, लेकिन वास्तविक विकास नहीं हुआ है। पॉल के अनुसार, इन समुदायों को केवल वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया गया, जबकि उनकी सामाजिक और आर्थिक स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ।इस बीच, बनर्जी ने आगे आरोप लगाया कि सूचना एवं संचार ब्यूरो (आईबी), स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) और आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) जैसी महत्वपूर्ण एजेंसियों को भी चुनिंदा तबादलों के माध्यम से कमजोर किया जा रहा है। उन्होंने इसे राज्य की प्रशासनिक व्यवस्था को पंगु बनाने का सुनियोजित प्रयास बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस प्रकार की कार्रवाइयां कानून-व्यवस्था पर भी असर डाल सकती हैं, जो चुनावों के दौरान विशेष रूप से संवेदनशील मुद्दा होता है। उन्होंने पूरक मतदाता सूचियों के प्रकाशन में हो रही देरी पर भी सवाल उठाए और इसे पारदर्शिता के अभाव का संकेत बताया। बनर्जी ने कहा कि मतदाता सूची चुनावी प्रक्रिया की रीढ़ होती है और इसमें किसी भी तरह की अस्पष्टता या देरी लोकतंत्र के लिए हानिकारक है। स्थिति को "अघोषित आपातकाल" बताते हुए मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार और भाजपा पर संस्थाओं के दुरुपयोग का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और किसी भी प्रकार के हस्तक्षेप का मजबूती से विरोध करेगा। साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए हर संभव कदम उठाएगी और जनता के अधिकारों की रक्षा करेगी।चुनावों से पहले इस तरह के आरोप-प्रत्यारोप ने राज्य की राजनीतिक सरगर्मी को और तेज कर दिया है, जिससे आने वाले दिनों में सियासी माहौल और भी गर्म रहने की संभावना है।

'यह हमारा युद्ध नहीं'—तिवारी ने दी रणनीतिक दूरी बनाए रखने की सलाह

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने गुरुवार को पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच केंद्र सरकार के संतुलित रुख का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि भारत को अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखते हुए इस जटिल भू-राजनीतिक स्थिति में सतर्क कूटनीति अपनानी चाहिए। तिवारी ने स्पष्ट किया कि भारत का ऐतिहासिक रूप से मध्य पूर्व के संघर्षों में सीमित हस्तक्षेप रहा है, इसलिए उसे अनावश्यक रूप से किसी पक्ष में नहीं पड़ना चाहिए।ईरान, इज़राइल और अमेरिका के बीच बढ़ते टकराव पर टिप्पणी करते हुए तिवारी ने कहा कि यह केवल एक युद्ध नहीं, बल्कि कई परस्पर जुड़े संघर्षों का समूह है। उन्होंने कहा कि इज़राइल और ईरान के बीच जो घटनाएं हो रही हैं और अमेरिका का किसी एक पक्ष का समर्थन करना, यह भारत का युद्ध नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत को उन संघर्षों से दूर रहना चाहिए जिनका उससे प्रत्यक्ष संबंध नहीं है। मनीष तिवारी ने कहा कि भारत का सतर्क और संतुलित दृष्टिकोण सही दिशा में उठाया गया कदम है। उनके अनुसार, रणनीतिक स्वायत्तता का अर्थ है अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करते हुए स्वतंत्र निर्णय लेने की क्षमता। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि भारत ने इस पूरे संकट के दौरान संवाद और कूटनीति पर जोर दिया है, ताकि क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनी रहे। भारत ने एक ओर खाड़ी क्षेत्र में ईरानी हमलों की निंदा की है, वहीं दूसरी ओर तेहरान के साथ संपर्क भी बनाए रखा है, ताकि होर्मुज जलडमरूमध्य के जरिए तेल और गैस की आपूर्ति सुरक्षित रह सके। यह मार्ग वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि दुनिया के बड़े हिस्से का तेल और गैस इसी रास्ते से गुजरता है। गौरतलब है कि यह संघर्ष 28 फरवरी को उस समय शुरू हुआ जब अमेरिका और इज़राइल ने ईरान के भीतर समन्वित हमले किए। इसके जवाब में तेहरान ने खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी और इज़राइली ठिकानों को निशाना बनाया, जिससे क्षेत्रीय तनाव और बढ़ गया। इस स्थिति को देखते हुए भारत सरकार क्षेत्र में हो रहे घटनाक्रम पर कड़ी नजर बनाए हुए है।

ED की याचिका पर जवाब टला

2 अप्रैल को अगली सुनवाई

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

दिल्ली उच्च न्यायालय ने गुरुवार (19 मार्च) को आबकारी नीति से जुड़े कथित भ्रष्टाचार मामले में एक महत्वपूर्ण सुनवाई के दौरान आम आदमी पार्टी (आप) के नेताओं अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया सहित अन्य आरोपियों को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की याचिका पर जवाब दाखिल करने के लिए अतिरिक्त समय प्रदान किया। ईडी ने अपनी याचिका में विशेष न्यायालय द्वारा आरोपियों को बरी करते समय की गई कुछ प्रतिकूल टिप्पणियों को हटाने की मांग की है। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा की पीठ में हुई। सुनवाई के दौरान ईडी की ओर से सहायक सरकारी वकील एसवी राजू और विशेष वकील जोहेब हुसैन उपस्थित रहे। प्रारंभ में आरोपियों के वकीलों ने याचिका पर जवाब दाखिल करने के लिए समय की मांग की। इस पर ईडी के वकील हुसैन ने आपत्ति जताते हुए कहा कि जवाब मांगने की कोई आवश्यकता नहीं है, क्योंकि सभी आरोपियों को याचिका की प्रति पहले ही विधिवत उपलब्ध कराई जा चुकी है। ईडी के वकील एसवी राजू ने अदालत में तर्क रखा कि आरोपी पक्ष जानबूझकर कार्यवाही में देरी करना चाहता है। उन्होंने कहा कि यदि एजेंसी के पक्ष में कोई आदेश पारित भी होता है, तो इससे आरोपियों को कोई प्रत्यक्ष नुकसान नहीं होगा। इस पर न्यायालय ने प्रतिवादियों के वकील से सवाल किया कि पहले उन्होंने जवाब दाखिल करने की बात कही थी, लेकिन अब वे अधिक समय की मांग कर रहे हैं। न्यायमूर्ति शर्मा ने यह भी टिप्पणी की कि अभियोजन पक्ष का कहना है कि निचली अदालत के न्यायाधीश ने अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर कुछ टिप्पणियां की हैं, जिन पर विचार करना आवश्यक है। अदालत ने कहा कि यह तय करना होगा कि क्या वास्तव में निचली अदालत ने अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर निर्णय दिया था। दोपहर के सत्र में सुनवाई के दौरान अदालत ने आरोपियों को जवाब दाखिल करने के लिए अतिरिक्त समय दे दिया और मामले की अगली सुनवाई 2 अप्रैल के लिए निर्धारित कर दी। अदालत ने स्पष्ट किया कि उस दिन सुनवाई होगी और उसके बाद अंतिम आदेश पारित किया जाएगा। ईडी ने अपनी याचिका में कहा है कि वह सीबीआई की कार्यवाही में किसी भी रूप में पक्षकार नहीं थी और प्रतिकूल टिप्पणियां दर्ज करने से पहले उसे अपना पक्ष रखने का अवसर भी नहीं दिया गया। एजेंसी का

दावा है कि यह प्राकृतिक न्याय और न्यायिक मर्यादा के सिद्धांतों का उल्लंघन है। ईडी के अनुसार, यदि ऐसी टिप्पणियों को बरकरार रखा गया, तो इससे एजेंसी की छवि और सार्वजनिक विश्वास पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। यह मामला अब 2 अप्रैल को होने वाली अगली सुनवाई में निर्णायक मोड़ ले सकता है, जहां दोनों पक्ष अपने-अपने तर्क विस्तार से प्रस्तुत करेंगे।

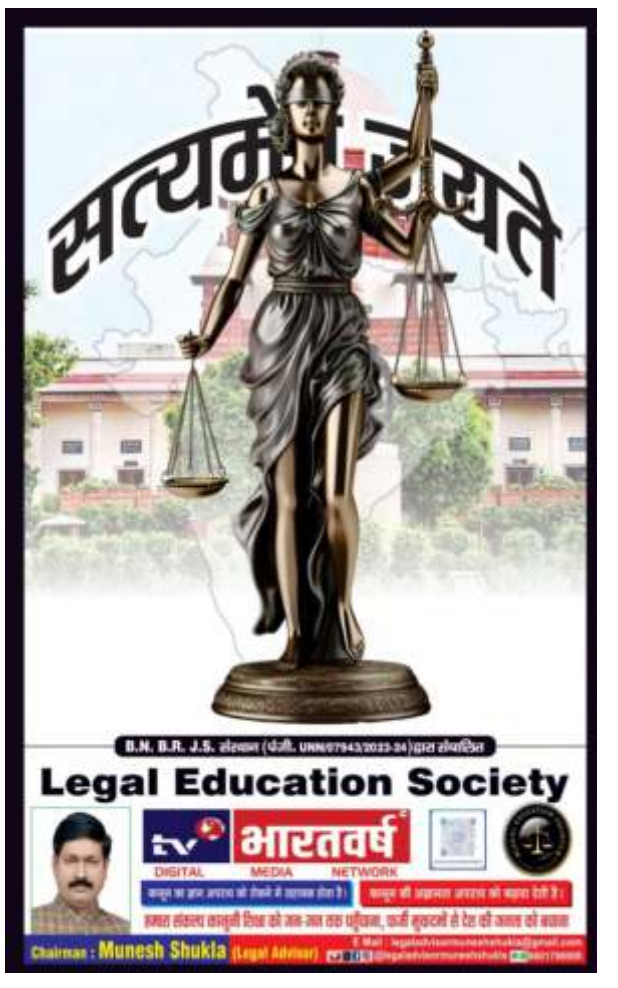

GATE स्कोर से खुलते हैं करियर के कई दरवाजे
नौकरी से लेकर उच्च शिक्षा तक मौका

ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट इन इंजीनियरिंग यानी GATE परीक्षा को देश की सबसे प्रतिष्ठित परीक्षाओं में गिना जाता है। हर साल लाखों छात्र इस परीक्षा में शामिल होते हैं, जिनका उद्देश्य न सिर्फ उच्च शिक्षा हासिल करना होता है, बल्कि बेहतर करियर के अवसर भी पाना होता है। यदि आपने गेट परीक्षा दी है या आपके पास पहले से वैध स्कोरकार्ड है, तो आपके लिए नौकरी और पढ़ाई दोनों के कई दरवाजे खुल जाते हैं।गेट परीक्षा पास करने के बाद उम्मीदवार इंजीनियरिंग, टेक्नोलॉजी, साइंस, कॉमर्स, आर्ट्स समेत विभिन्न विषयों में मास्टर्स (एमटेक, एमई) और डॉक्टरेट (पीएचडी) प्रोग्राम में प्रवेश ले सकते हैं। देश के प्रमुख संस्थान जैसे आईआईटी, एनआईटी और अन्य केंद्रीय विश्वविद्यालय गेट स्कोर के आधार पर एडमिशन देते हैं। इसके साथ ही कई संस्थानों में छात्रों को स्कॉलरशिप और फेलोशिप का लाभ भी मिलता है, जिससे उनकी पढ़ाई का खर्च काफी हद तक कम हो जाता है।हालांकि गेट का महत्व सिर्फ उच्च शिक्षा तक सीमित नहीं है। इस परीक्षा के जरिए उम्मीदवारों के लिए कई प्रतिष्ठित सरकारी कंपनियों, यानी पब्लिक सेक्टर अंडरटेकिंग्स (PSUs), में नौकरी पाने का सुनहरा अवसर भी मिलता है। देश की प्रमुख कंपनियां जैसे भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (BHEL), भारत संचार निगम लिमिटेड (BSNL), गेल इंडिया लिमिटेड (GAIL) और हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL) गेट स्कोर के आधार पर भर्ती करती हैं।इन कंपनियों में इंजीनियर, मैनेजमेंट ट्रेनी, ग्रेजुएट इंजीनियर ट्रेनी (GET) जैसे पदों पर नियुक्तियां की जाती हैं। खास बात यह है कि कई मामलों में उम्मीदवारों को अलग से लिखित परीक्षा नहीं देनी पड़ती। कंपनियां सीधे गेट स्कोर के आधार पर उम्मीदवारों को शॉर्टलिस्ट करती हैं और इसके बाद इंटरव्यू, ग्रुप डिस्कशन या पर्सनल इंटरैक्शन के जरिए चयन प्रक्रिया पूरी की जाती है।हालांकि चयन प्रक्रिया पूरी तरह संबंधित कंपनी पर निर्भर करती है। कुछ कंपनियां अतिरिक्त परीक्षा आयोजित कर सकती हैं, जबकि अधिकांश पीएसयू केवल गेट स्कोर को ही प्राथमिक आधार मानती हैं। यही वजह है कि गेट परीक्षा में अच्छा स्कोर प्राप्त करना उम्मीदवारों के लिए बेहद महत्वपूर्ण हो जाता है।विशेषज्ञों का मानना है कि गेट न केवल तकनीकी ज्ञान को परखता है, बल्कि उम्मीदवारों की विश्लेषणात्मक क्षमता और समस्या समाधान कौशल का भी मूल्यांकन करता है। यही गुण उन्हें उद्योग और शोध दोनों क्षेत्रों में सफल बनाते हैं।कुल मिलाकर, गेट परीक्षा एक ऐसा प्लेटफॉर्म है, जो छात्रों को उच्च शिक्षा, रिसर्च और सरकारी क्षेत्र में प्रतिष्ठित नौकरियों के अवसर प्रदान करता है। ऐसे में जो उम्मीदवार अपने करियर को मजबूत बनाना चाहते हैं, उनके लिए गेट स्कोर एक मजबूत आधार साबित हो सकता है।

दिल्ली कैपिटल्स को नया फील्डिंग कोच, जॉन मूनी को मिली बड़ी जिम्मेदारी

आईपीएल फ्रेंचाइजी दिल्ली कैपिटल्स ने आगामी सीजन से पहले अपने सपोर्ट स्टाफ में अहम बदलाव करते हुए आयरलैंड के पूर्व ऑलराउंडर जॉन मूनी को टीम का नया फील्डिंग कोच नियुक्त किया है। रिपोर्ट के अनुसार, मूनी जल्द ही भारत पहुंचकर टीम से जुड़ेंगे और नए सीजन की तैयारियों में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। उन्होंने इस पद पर एंटोन रुक्स और ज्ञानेश्वर राव की जगह ली है।44 वर्षीय जॉन मूनी का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट करियर काफी अनुभवपूर्ण रहा है। उन्होंने आयरलैंड के लिए वनडे और टी-20 फॉर्मेट में 90 से अधिक मुकाबले खेले हैं। मूनी ने अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच साल 2015 में खेला था, जिसके बाद उन्होंने कोचिंग के क्षेत्र में कदम रखा।कोचिंग करियर की बात करें तो मूनी ने 2018 से 2019 के बीच अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के साथ फील्डिंग कोच के रूप में काम किया। इस दौरान उन्होंने टीम की फील्डिंग क्षमताओं को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इसके बाद साल 2019 में उन्होंने कुछ समय के लिए वेस्टइंडीज टीम के साथ भी काम किया, जहां उनके अनुभव का फायदा टीम को मिला।दिल्ली कैपिटल्स के साथ यह मूनी का पहला आईपीएल असाइनमेंट होगा। फ्रेंचाइजी को उनसे उम्मीद है कि उनके अनुभव और रणनीतिक समझ से टीम की फील्डिंग में सुधार आएगा, जो टी20 क्रिकेट में बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। आईपीएल जैसे तेज और प्रतिस्पर्धी टूर्नामेंट में फील्डिंग का स्तर मैच का रुख बदल सकता है। ऐसे में दिल्ली कैपिटल्स का यह कदम टीम के प्रदर्शन को और मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अब देखना होगा कि मूनी के मार्गदर्शन में टीम मैदान पर किस तरह का प्रदर्शन करती है।

2027 वर्ल्ड कप तक बने रहना चाहते हैं
चीफ सिलेक्टर अजीत अगरकर

भारतीय क्रिकेट टीम के चीफ सिलेक्टर अजीत अगरकर ने अपने कार्यकाल को 2027 वनडे वर्ल्ड कप तक बढ़ाने की इच्छा जताई है। इस संबंध में उन्होंने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) से औपचारिक रूप से एक्सटेंशन का अनुरोध किया है।गौरतलब है कि अगरकर का मौजूदा कार्यकाल पहले ही एक बार बढ़ाया जा चुका है। 2025 के आईपीएल सीजन से पहले BCCI ने उनके कॉन्ट्रैक्ट को एक वर्ष के लिए बढ़ाते हुए जून 2026 तक कर दिया था। पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज अजीत अगरकर को जुलाई 2023 में टीम इंडिया की सीनियर चयन समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था।अगरकर के नेतृत्व में भारतीय टीम ने उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। उनके कार्यकाल के दौरान भारत ने 2024 में टी-20 वर्ल्ड कप का खिताब जीता, जबकि पिछले वर्ष की शुरुआत में चैंपियंस ट्रॉफी पर भी कब्जा जमाया। इसके अलावा, टीम इंडिया 2023 के वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल तक पहुंची थी, जहां उसे ऑस्ट्रेलिया के हाथों हार का सामना करना पड़ा। हाल ही में भारतीय टीम ने टी-20 वर्ल्ड कप खिताब का सफलतापूर्वक बचाव भी किया है, जो चयन समिति की रणनीति और टीम प्रबंधन की निरंतरता को दर्शाता है।रिपोर्ट्स के अनुसार, अगरकर के कॉन्ट्रैक्ट विस्तार को लेकर बोर्ड और उनके बीच प्रारंभिक स्तर पर चर्चा हो चुकी है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि BCCI इस अनुरोध पर क्या निर्णय लेता है। फिलहाल इस पद के लिए कोई मजबूत विकल्प सामने नहीं है, जो अगरकर के पक्ष को और मजबूत बनाता है। आने वाले समय में भारतीय टीम के सामने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप और 2027 का वनडे वर्ल्ड कप जैसी बड़ी चुनौतियां हैं। ऐसे में चयन समिति में स्थिरता बनाए रखना टीम के दीर्घकालिक प्रदर्शन के लिए अहम साबित हो सकता है।

यूरोप में फिर गूंजा लिवरपूल का जलवा, क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की

IPL 2026 से पहले CSK को बड़ा झटका, नाथन एलिस पूरे सीजन से बाहर

आईपीएल 2026 से पहले चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को बड़ा झटका लगा है। टीम के ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज नाथन एलिस हैमस्ट्रिंग चोट के कारण पूरे सीजन से बाहर हो गए हैं। यह चोट उन्हें प्रशिक्षण सत्र के दौरान लगी। सीएसके के सीईओ कासी विश्वनाथन ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि एलिस का समय पर फिट हो पाना मुश्किल है, जिससे टीम की गेंदबाजी आक्रमण को बड़ा नुकसान पहुंचा है।एलिस को डेथ ओवरों के लिए एक अहम विकल्प के रूप में देखा जा रहा था, खासकर मथीशा पथिराना के जाने के बाद। पथिराना इस बार 18 करोड़ रुपये के बड़े सौदे में कोलकाता नाइट राइडर्स से जुड़ गए हैं। ऐसे में एलिस की गैरमौजूदगी से सीएसके के पास डेथ ओवरों में अनुभवी गेंदबाज की कमी साफ नजर आ रही है।एलिस की जगह न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी को प्लेइंग इलेवन में शामिल किए जाने की संभावना है। हेनरी का टी20 अंतरराष्ट्रीय रिकॉर्ड प्रभावशाली रहा है, जहां उन्होंने 43 मैचों में 8.50 की इकॉनमी से 53 विकेट झटके हैं। हालांकि, आईपीएल में उनका प्रदर्शन उतना खास नहीं रहा। 2024 में लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए खेलते हुए उन्होंने चार मैचों में सिर्फ एक विकेट लिया था।हेनरी नई गेंद से तो प्रभावी माने जाते हैं, लेकिन डेथ ओवरों में उनकी गेंदबाजी चिंता का विषय है। ऐसे में कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ की अगुवाई वाली टीम इंग्लैंड के ऑलराउंडर जेमी ओवरटन को विकल्प के तौर पर देख सकती है। हालांकि, ओवरटन अभी तक पथिराना जैसा प्रभाव नहीं छोड़ पाए हैं।सीएसके अपना आईपीएल 2026 अभियान 30 मार्च को गुवाहाटी में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ शुरू करेगी। इसके बाद टीम 3, 5 और 11 अप्रैल को क्रमशः पंजाब किंग्स, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और दिल्ली कैपिटल्स से भिड़ेगी। पिछले सीजन में सबसे निचले स्थान पर रहने के बाद इस बार टीम पर बेहतर प्रदर्शन का दबाव रहेगा।

लियोनेल मेसी ने रचा इतिहास,
900 गोल पूरे करने वाले बने दूसरे फुटबॉलर

अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर और इंटर मियामी के कप्तान लियोनेल मेसी ने अपने शानदार करियर में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि जोड़ ली है। मेसी आधिकारिक मुकाबलों में 900 गोल करने वाले दुनिया के दूसरे पुरुष फुटबॉलर बन गए हैं। उन्होंने यह खास मुकाम कॉन्काकैफ चैंपियंस कप के दूसरे लेग मुकाबले में नैशविले एससी के खिलाफ हासिल किया।यह मुकाबला इंटर मियामी के घरेलू मैदान पर खेला गया, जहां मेसी ने अपनी टीम के लिए अहम गोल दागा। हालांकि, उनके इस ऐतिहासिक गोल के बावजूद टीम को निराशा हाथ लगी और इंटर मियामी टूर्नामेंट से बाहर हो गई। मैच 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुआ, जिसमें नैशविले एससी की ओर से क्रिस्टियन एस्पिनोजा ने गोल किया।दोनों टीमों के बीच पहला लेग नैशविले के घरेलू मैदान पर खेला गया था, जो 0-0 से ड्रॉ रहा था। इसके बाद दूसरा लेग इंटर मियामी के होम ग्राउंड पर हुआ, जहां दोनों टीमों ने एक-एक गोल किया। इस तरह दोनों लेग के बाद कुल स्कोर 1-1 की बराबरी पर रहा।बराबरी की स्थिति में 'अवे गोल' नियम लागू किया गया। इस नियम के अनुसार, जिस टीम ने विपक्षी मैदान पर अधिक गोल किए होते हैं, उसे बढ़त दी जाती है। चूंकि नैशविले एससी ने इंटर मियामी के मैदान पर गोल किया था, इसलिए उसे इस नियम के तहत फायदा मिला और टीम अगले दौर में पहुंच गई। वहीं, इंटर मियामी को टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा।मेसी के लिए यह व्यक्तिगत रूप से बेहद खास पल रहा, क्योंकि 900 गोल का आंकड़ा छूना किसी भी फुटबॉलर के लिए बड़ी उपलब्धि मानी जाती है। उन्होंने अपने करियर में क्लब और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार शानदार प्रदर्शन किया है और कई रिकॉर्ड अपने नाम

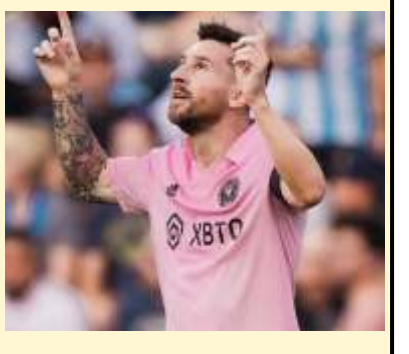

किए हैं।हालांकि, टीम के नजरिए से यह मुकाबला निराशाजनक रहा, क्योंकि मेसी के शानदार प्रदर्शन के बावजूद इंटर मियामी टूर्नामेंट में आगे नहीं बढ़ सकी। अब टीम को आने वाले मुकाबलों में बेहतर प्रदर्शन कर वापसी की उम्मीद होगी।

'ह्यूमनॉइड रोबोट' को बुजुर्ग महिला को डराने के बाद पुलिस ने पकड़ा

महिला को देख बेकाबू हुआ रोबोट

वीडियो में देखा जा सकता है कि महिला रोबोट से बहस करती हुई दिखाई देती है. थोड़ी देर बाद वहां दो पुलिस अधिकारी पहुंचते हैं और स्थिति को संभालते हैं. इसके बाद पुलिस रोबोट को अपने साथ ले जाती नजर आती है.

चीन के मकाउ से सामने आई अनोखी घटना

चीन के विशेष प्रशासनिक क्षेत्र मकाउ (Macau) में एक अनोखी घटना सामने आई है, जहां एक 'ह्यूमनॉइड रोबोट' को बुजुर्ग महिला को डराने के बाद पुलिस अपने साथ ले गई. इस घटना के बाद सोशल मीडिया पर लोग मजाक में कहने लगे कि पुलिस ने रोबोट को 'गिरफ्तार' कर लिया है. रिपोर्ट के मुताबिक यह घटना पिछले गुरुवार को मकाऊ के पटाने इलाके में एक रिहायशी परिसर के पास हुई. उस समय एक 70 साल की बुजुर्ग महिला सड़क किनारे खड़ी होकर अपने फोन का इस्तेमाल कर रही थी. तभी अचानक उसने अपने पीछे एक ह्यूमनॉइड रोबोट को खड़ा देखा. अचानक सामने आए इस रोबोट को देखकर वह घबरा गई और गुस्से में उससे भिड़ने लगी. इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर तेजी से वायरल हो गया. वीडियो में देखा जा सकता है कि महिला रोबोट से बहस करती हुई दिखाई देती है. थोड़ी देर बाद वहां दो पुलिस अधिकारी पहुंचते हैं और स्थिति को संभालते हैं. इसके बाद पुलिस रोबोट को अपने साथ ले जाती नजर आती है. हालांकि इस घटना में महिला को कोई गंभीर चोट नहीं आई, लेकिन एहतियात के तौर पर उसे अस्पताल ले जाया गया.

कुछ समय जांच के बाद डॉक्टरों ने उसे छुट्टी दे दी. महिला ने इस मामले में कोई औपचारिक शिकायत भी दर्ज नहीं कराई. घटना के बाद सोशल मीडिया पर इसको लेकर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आईं. कई यूजर्स ने मजाक में लिखा कि 'रोबोट को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया. 'कुछ लोगों ने इसे भविष्य की तकनीक और इंसानों के बीच बढ़ती नजदीकी का अजीब उदाहरण बताया. बाद में पुलिस ने स्पष्ट किया कि यह रोबोट शहर के एक शिक्षा केंद्र का था, जिसका इस्तेमाल प्रचार और जागरूकता कार्यक्रमों के लिए किया जा रहा था.

जंग के बीच वायरल हुए 'पाकिस्तानी ट्रंप'

पाकिस्तान में कभी भी कुछ भी वायरल हो जाता है. चाहे मामला कितना भी संजीदा क्यों न हो, लोग उसमें मजाक ढूंढ ही लेते हैं. इसी बीच एक शख्स फिर चर्चा में आ गया है- सलीम बग्गा. कुदरत ने इनके साथ ऐसा खेल खेला है कि इनकी शक्ल हूबहू अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मिलती है. जहां ट्रंप वैश्विक राजनीति के बड़े फैसलों में नजर आते हैं, वहीं सलीम पाकिस्तान के साहीवाल में कुल्फी और खीर बेचकर अपना गुजारा करता है. लेकिन जैसे ही ट्रंप खबरों में आते हैं.

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है वीडियो

बैलगाड़ी वाली बारात ने दिलाई पुराने दिनों की याद

शादी को जिंदगी का सबसे खास पल माना जाता है, जहां हर छोटी-बड़ी बात को यादगार बनाने की कोशिश की जाती है. आज के दौर में शादियों में भव्यता, चमक-धमक और खर्च का अलग ही स्तर देखने को मिलता है. बारात से लेकर विदाई तक हर चीज को परफेक्ट बनाने के लिए लोग पैसा पानी की तरह बहाते हैं. सोशल मीडिया पर भी अक्सर ऐसी ही हाई-प्रोफाइल शादियों की तस्वीरें और वीडियो वायरल होते रहते हैं. लेकिन इसी बीच एक ऐसा वीडियो सामने आया है, जिसने लोगों को पुराने दिनों की सादगी भरी शादियों की याद दिला दी है. यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और लोग इसे खूब पसंद कर रहे हैं. वायरल वीडियो में एक अनोखी बारात दिखाई दे रही है. इसमें न तो तेज डीजे का शोर है और न ही किसी तरह की भव्य सजावट. इसके बजाय, पूरी बारात बैलगाड़ियों के जरिए निकाली जा रही है.

पोल खुली तो पुलिस ने किया गिरफ्तार

'अंधे' बनकर भीख मांग रहे मियां-बीवी

मामला पेशावर का बताया जा रहा है.

पाकिस्तान में भीख मांगने से जुड़े मामले अक्सर चर्चा में रहते हैं. कई बार दूसरे देशों ने भी इस मुद्दे पर सख्त रुख अपनाया है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, सऊदी अरब ने पाकिस्तान के भिखारियों पर कार्रवाई करते हुए बड़ी संख्या में लोगों को वापस भेजा था.

सोशल मीडिया पर भी ऐसे वीडियो सामने आते रहते हैं, जिनमें पाकिस्तान मूल के लोग भीख मांगते नजर आते हैं. अब यह समस्या देश के भीतर भी गंभीर रूप लेती दिख रही है. इसी बीच लाहौर से एक मामला सामने आया है, जिसने लोगों को चौंका दिया. लिबर्टी मार्केट इलाके में एक पति-पत्नी के 'अंधे' बनकर भीख मांगने का वीडियो वायरल हो गया. पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यह घटना 13 मार्च 2026 की बताई जा रही है. स्थानीय लोगों की शिकायत के बाद पुलिस ने एक दंपति को हिरासत में लिया. लोगों का कहना था कि दोनों अंधे होने का नाटक कर रहे थे और पिछले चार महीनों से उसी इलाके में भीख मांगकर लोगों को धोखा दे रहे थे. शिकायतों के आधार पर पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की. जब दोनों को पकड़ा गया, तो जांच में सामने आया कि वे पूरी तरह स्वस्थ हैं. पुलिस के मुताबिक, उन्होंने काला चश्मा पहनकर और खास अंदाज अपनाकर लोगों की सहानुभूति हासिल करने की कोशिश की थी. यह दंपति बाजार में आने-जाने वाले लोगों से भीख मांगता था और उनकी दया का फायदा उठाता था. हालांकि, उनके व्यवहार में असामान्यता देखकर स्थानीय लोगों को शक हुआ और उन्होंने पुलिस को सूचना दे दी. पुलिस का कहना है कि यह मामला पेशेवर भीख मांगने वालों से जुड़ा हो सकता है.

'मिर्जापुर: द मूवी' 4 सितंबर 2026 को सिनेमाघरों में होगी रिलीज

पूर्वांचल के अंडरवर्ल्ड पर आधारित चर्चित कहानी अब बड़े पर्दे पर दस्तक देने जा रही है। मिर्जापुर पर बनी फिल्म 'मिर्जापुर: द मूवी' 4 सितंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस रिलीज डेट की आधिकारिक घोषणा प्राइम वीडियो ने अपने इवेंट 'प्राइम वीडियो प्रेजेंट्स' के दौरान की, जहां फिल्म की स्टारकास्ट भी मौजूद रही।मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म की मुख्य शूटिंग फरवरी 2026 में ही पूरी कर ली गई थी और फिलहाल यह पोस्ट-प्रोडक्शन के चरण में है। मेकर्स इस प्रोजेक्ट को बड़े स्तर पर सिनेमाई अनुभव देने की तैयारी में जुटे हैं, ताकि दर्शकों को वेब सीरीज से अलग और ज्यादा भव्य प्रस्तुति देखने को मिले।फिल्म को लेकर सबसे ज्यादा चर्चा दिव्येंदु शर्मा के किरदार 'मुन्ना भैया' की वापसी को लेकर हो रही है। वेब सीरीज के दूसरे सीजन में इस किरदार की मौत दिखा दी गई थी, लेकिन फिल्म में उनकी वापसी ने फैंस के बीच उत्सुकता और बढ़ा दी है। इसके अलावा पंकज त्रिपाठी एक बार फिर अखंडानंद 'कालीन' त्रिपाठी के दमदार किरदार में नजर आएंगे। अली फजल 'गुड्डू पंडित', श्वेता त्रिपाठी 'गोलू गुप्ता' और अभिषेक बनर्जी 'कंपाउंडर' के रूप में अपने पुराने किरदारों को दोबारा निभाते दिखेंगे।फिल्म का निर्देशन गुरमीत सिंह ने किया है, जिन्होंने मूल वेब सीरीज के कई अहम एपिसोड्स भी निर्देशित किए थे। प्रोडक्शन की जिम्मेदारी 'एक्सेल एंटरटेनमेंट' के बैनर तले संभाली गई है, जिसे फरहान अख्तर और रितेश सिधवानी प्रोड्यूस कर रहे हैं।फिल्म की शूटिंग पूरी होने की पुष्टि श्वेता त्रिपाठी और अली फजल ने भी की है। उन्होंने बताया कि फरवरी में ही शूटिंग खत्म हो चुकी थी और अब पूरी टीम पोस्ट-प्रोडक्शन पर फोकस कर रही है।प्रोड्यूसर्स फरहान अख्तर और रितेश सिधवानी ने एक संयुक्त बयान में कहा कि 'मिर्जापुर' के अनुभव को बड़े पर्दे पर लाना उनके लिए एक मील का पत्थर है। उन्होंने कहा कि तीन सफल सीजन्स के बाद दर्शक कालीन भैया, गुड्डू भैया और मुन्ना भैया जैसे किरदारों से गहराई से जुड़ चुके हैं। ऐसे में इस कहानी को फिल्म के रूप में प्रस्तुत करना दर्शकों के लिए और अधिक रोमांचक होगा।फिल्म को लेकर दर्शकों में जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। सोशल मीडिया पर फैंस लगातार इसके अपडेट्स पर नजर बनाए हुए हैं और खासतौर पर मुन्ना भैया की वापसी को लेकर चर्चाएं तेज हैं। ट्रेड एक्सपर्ट्स का मानना है कि अगर फिल्म की कहानी और प्रस्तुति दर्शकों की उम्मीदों पर खरी उतरती है, तो यह बॉक्स ऑफिस पर भी बड़ी सफलता हासिल कर सकती है।उन्होंने यह भी कहा कि वे एक बार फिर प्राइम वीडियो के साथ इस बड़े प्रोजेक्ट के लिए जुड़कर बेहद उत्साहित हैं। अब देखना होगा कि वेब सीरीज की जबरदस्त लोकप्रियता को फिल्म के रूप में दर्शक किस तरह से अपनाते हैं।

सिलेंडर संकट पर सपा छात्र सभा का हंगामा
विधानसभा के बाहर जोरदार प्रदर्शन

लखनऊ में गैस सिलेंडर किल्लत को लेकर सपा छात्र सभा ने विधानसभा के सामने प्रदर्शन किया। पुलिस से नोकझोंक के बाद कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया। प्रदर्शनकारियों ने कालाबाजारी और कमी का आरोप लगाते हुए होम डिलीवरी की मांग की और चेतावनी दी कि समाधान न हुआ तो आंदोलन तेज होगा।

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

राजधानी में घरेलू गैस सिलेंडरों की किल्लत को लेकर समाजवादी छात्र सभा के कार्यकर्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। कार्यकर्ता हाथों में गैस सिलेंडर के कटआउट लेकर विधानसभा के सामने पहुंचे और सरकार के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। इस दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों ने कपड़े उतारकर विरोध जताया, जिससे माहौल और अधिक गरमा गया। मौके पर मौजूद पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की, जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच तीखी नोकझोंक हुई। स्थिति बिगड़ती देख पुलिस ने सख्ती दिखाते हुए प्रदर्शनकारियों को दौड़ा-दौड़ाकर पकड़ा और उन्हें पुलिस वाहनों में बैठाया। इस दौरान कई कार्यकर्ता पुलिस बसों के ऊपर चढ़ गए और वहां से नारेबाजी करने लगे। पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद उन्हें नीचे उतारा और सभी को हिरासत में लेकर ईको गार्डन भेज दिया।प्रदर्शन में शामिल एक कार्यकर्ता ने बताया कि शहर में गैस सिलेंडरों की भारी किल्लत है और आम जनता को घंटों लाइन में लगना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि कपूरथला क्षेत्र में एक गैस एजेंसी के बाहर लोग रात 11 बजे से लाइन में लगे थे, लेकिन अगले दिन एजेंसी कर्मचारी ने केवल डेढ़ सौ सिलेंडर उपलब्ध होने की बात कही। उन्होंने बताया कि उनका नंबर 151 था, लेकिन 150 तक ही सिलेंडर वितरित किए गए, जिसके चलते उन्हें और कई अन्य लोगों को निराश होकर लौटना पड़ा। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि वर्तमान समय में नवरात्र और ईद जैसे बड़े त्योहार सामने हैं, लेकिन लोग त्योहार की तैयारियों के बजाय गैस सिलेंडर के लिए लाइनों में खड़े हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि ऐसी स्थिति में लोग त्योहार कैसे मनाएंगे, माता का भोग कैसे तैयार होगा और ईद पर सेवइयां कैसे बनेंगी। एक प्रदर्शनकारी ने कहा कि वह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को दूरबीन देने आया था, ताकि वे मुख्यमंत्री आवास से बाहर निकलकर गैस सिलेंडर के लिए लगी लंबी कतारों को देख सकें। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने अभद्रता की, महिलाओं के साथ धक्का-मुक्की की गई और एक कार्यकर्ता के साथ मारपीट करते हुए उसकी शर्ट के बटन तक तोड़ दिए गए। प्रदर्शनकारियों ने यह भी आरोप लगाया कि पुलिस को सरकार की ओर से सख्त निर्देश दिए गए हैं कि गैस किल्लत के मुद्दे को उठाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। उन्होंने मांग की कि गैस सिलेंडरों की होम डिलीवरी सुनिश्चित की जाए, ताकि आम जनता को राहत मिल सके। छात्र सभा के सदस्यों ने कहा कि घरेलू गैस सिलेंडरों की किल्लत के साथ-साथ कालाबाजारी भी बढ़ रही है। आरोप लगाया गया कि सिलेंडर ब्लैक में बेचे जा रहे हैं, जिससे आम लोगों का बजट बिगड़ रहा है। उन्होंने कहा कि इस समस्या का असर केवल रसोई तक सीमित नहीं है, बल्कि अन्य जरूरी वस्तुओं की कीमतों पर भी पड़ रहा है। प्रदर्शनकारियों के अनुसार, शहर के कई इलाकों में सिलेंडर की कमी बनी हुई है, जिससे समय पर गैस नहीं मिल पा रही है। इसका सबसे ज्यादा असर मध्यम और गरीब वर्ग पर पड़ रहा है, जिन्हें रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने में कठिनाई हो रही है। प्रदर्शन के अंत में सपा छात्र सभा के कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने जल्द ही इस समस्या का समाधान नहीं किया, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। उन्होंने कहा कि महंगाई और जनसमस्याओं के खिलाफ उनकी लड़ाई आगे भी जारी रहेगी।

लखनऊ में 17 वर्षीय किशोरी की संदिग्ध मौत, मौसा हिरासत में

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

राजधानी के मड़ियांव थाना क्षेत्र में 17 वर्षीय किशोरी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। घटना घैला पुलिस चौकी के पास की है, जहां से किशोरी का शव गोमती नदी से बरामद हुआ। पुलिस ने मामले में स्वतः संज्ञान लेते हुए मुकदमा दर्ज कर किशोरी के मौसा कुलदीप मौर्या को हिरासत में लिया है।परिजनों के अनुसार, किशोरी मामा कॉलोनी में अपने मौसा के घर रह रही थी। बुधवार रात करीब 8 बजे मौसा उसे दवा लेने के बहाने बाइक से अपने साथ ले गया। कुछ देर बाद उसने किशोरी के भाई को फोन कर बताया कि कुछ लोग उसकी बहन को जबरन ले जा रहे हैं और वह उनका पीछा कर रहा है।सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे, जहां मौसा कुलदीप कथित रूप से बेहोशी की हालत में मिला। पास ही कुछ दूरी पर किशोरी के कपड़े और अन्य सामान पड़े मिले। इसके बाद परिजनों ने डायल 112 पर सूचना दी। पुलिस ने तत्काल पहुंचकर इलाके की घेराबंदी की और सर्च अभियान शुरू कराया। एसडीआरएफ टीम ने बुधवार रात से ही गोमती नदी में तलाश शुरू की और गुरुवार सुबह करीब 9 बजे किशोरी का नग्न शव बरामद किया।पुलिस जांच में मौसा की कहानी संदिग्ध पाई गई है। थाना प्रभारी शिवानंद मिश्रा के अनुसार, सीसीटीवी फुटेज में किसी कार के आने-जाने की पुष्टि नहीं हुई, जबकि किशोरी को मौसा के साथ बाइक पर जाते हुए देखा गया है। पुलिस का कहना है कि मौसा ने अपहरण की झूठी कहानी गढ़ी और घटना के समय वह नशे की हालत में पाया गया।पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए हर पहलू की जांच शुरू कर दी है। मृतका के पिता को सूचना दे दी गई है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा।

नवरात्र के पहले दिन लखनऊ में उमड़ा आस्था का सैलाब, मंदिरों में लंबी कतारें

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

चैत्र नवरात्रि के पहले दिन गुरुवार को राजधानी लखनऊ के प्रमुख देवी मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह से ही 'जय माता दी' के जयकारों और भक्ति गीतों के बीच शहर का वातावरण पूरी तरह भक्तिमय नजर आया। श्रद्धालु बड़ी संख्या में मंदिरों में पहुंचकर मां दुर्गा के दर्शन-पूजन में जुटे रहे। शहर के प्रसिद्ध चन्द्रिका देवी मंदिर में भी सुबह से ही भक्तों की लंबी कतारें देखने को मिलीं। दूर-दराज से आए श्रद्धालु यहां माता के दर्शन के लिए पहुंचे। बिहार से आए श्रद्धालु सुभाष सिंह ने बताया कि मंदिर में आकर उन्हें अत्यंत सुखद अनुभव हो रहा है। उन्होंने कहा कि इस बार मंदिर परिसर में व्यवस्थाएं पहले से बेहतर की गई हैं, जिससे दर्शन में काफी सुविधा मिल रही है और भीड़ के बावजूद व्यवस्था सुचारू बनी हुई है।चन्द्रिका देवी मंदिर के पुजारी पंडित राम गोपाल दुबे ने बताया कि यह एक प्राचीन और आस्था का प्रमुख केंद्र है, जहां हर साल नवरात्रि के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। उन्होंने कहा कि जो भी भक्त सच्चे मन से यहां मन्नत मांगता है, उसकी मनोकामना अवश्य पूरी होती है। इसी आस्था के चलते दूर-दूर से लोग यहां माता के दर्शन के लिए आते हैं।राजधानी के अन्य प्रमुख देवी मंदिरों में भी दिनभर श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। सुबह से ही मंदिरों के बाहर लंबी-लंबी कतारें लग गईं, जो देर शाम तक जारी रहीं। श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।नवरात्रि के साथ-साथ आगामी त्योहारों को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था भी

कड़ी कर दी है। संयुक्त पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) बबलू कुमार ने बताया कि सभी प्रमुख मंदिरों, धार्मिक स्थलों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिसकर्मियों को सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा भीड़ प्रबंधन के लिए बैरिकेडिंग की व्यवस्था की गई है और मंदिर परिसरों में निगरानी बढ़ा दी गई है, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। प्रशासन का प्रयास है कि नवरात्रि के दौरान श्रद्धालु सुरक्षित और सुगम तरीके से पूजा-अर्चना कर सकें।नवरात्र के पहले दिन उमड़ी इस भीड़ ने शहर में आस्था और उत्साह का माहौल बना दिया है, जो आने वाले नौ दिनों तक इसी तरह बना रहने की संभावना है।

ड्रोन नेटवर्क से जुड़े 3 विदेशी दबोचे, लखनऊ एयरपोर्ट पर NIA की कार्रवाई

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) ने राजधानी लखनऊ से तीन पूर्व यूक्रेनी सैनिकों को गिरफ्तार किया है, जिन पर म्यांमार में आतंकियों को प्रशिक्षण देने और भारत के खिलाफ साजिश रचने का आरोप है। एजेंसी के अनुसार, इनका संबंध एक अंतरराष्ट्रीय ड्रोन-आतंकी नेटवर्क से है। इस नेटवर्क से जुड़े चार अन्य आरोपियों को दिल्ली एयरपोर्ट से भी पकड़ा गया है।NIA सूत्रों के मुताबिक, 13 मार्च को लखनऊ एयरपोर्ट से पेट्रो हुरबा (36), तारास स्लिवियाक (37) और इवान सुकमानोव्स्की (34) को गिरफ्तार किया गया। ये तीनों ड्रोन तकनीक के विशेषज्ञ बताए जा रहे हैं और म्यांमार में रहकर आतंकी नेटवर्क को मजबूत करने में लगे थे। जांच में सामने आया कि ये आरोपी 18 दिसंबर 2025 को संयुक्त अरब अमीरात से भारत आए थे और मिजोरम के रास्ते म्यांमार के चिन राज्य पहुंचे, जहां उन्होंने आतंकी संगठनों से संपर्क स्थापित किया।एजेंसी के अनुसार, यह नेटवर्क यूरोप से ड्रोन के बड़े कंसाइनमेंट म्यांमार तक पहुंचा रहा था। इन ड्रोन का इस्तेमाल "एथनिक आर्म्ड ग्रुप्स" के जरिए किया जाना था, जो आगे भारत के प्रतिबंधित संगठनों को हथियार, तकनीक और प्रशिक्षण उपलब्ध कराते। जांच एजेंसी का मानना है कि यह गतिविधि देश की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन सकती थी।लखनऊ पहुंचने के बाद तीनों आरोपियों ने एयरपोर्ट के पास एक होटल में ठहराव किया। होटल स्टाफ ने जब उनसे पहचान संबंधी दस्तावेज लिए और फॉर्म C भरवाया, तो उनकी जानकारी संदिग्ध लगी। इसके बाद होटल प्रबंधन ने उनकी जानकारी संबंधित एजेंसियों और एम्बेसी के साथ साझा कर दी।शुरुआती जांच में ही तीनों की गतिविधियों पर संदेह गहरा गया, जिसके बाद इमिग्रेशन विभाग को अलर्ट किया गया और उनकी मूवमेंट पर नजर रखी जाने लगी। पूरी पुष्टि होने के बाद एयरपोर्ट पर घेराबंदी कर तीनों को गिरफ्तार कर लिया गया। एजेंसी मामले की गहन जांच में जुटी है।

लखनऊ में दर्दनाक हादसा, रिटायर्ड कर्मचारी को अज्ञात वाहन ने कुचला

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

राजधानी लखनऊ के आशियाना थाना क्षेत्र में बुधवार रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में राज्यपाल कार्यालय से सेवानिवृत्त कर्मचारी की मौत हो गई। हादसे के बाद आक्रोशित परिजनों ने सड़क जाम कर प्रदर्शन किया, जिससे इलाके में कुछ समय के लिए यातायात बाधित हो गया।जानकारी के अनुसार, सेक्टर-एच आशियाना निवासी रमेश चौधरी (65) बुधवार रात करीब 8 बजे साइकिल से सब्जी लेकर घर लौट रहे थे। जब वे वंश क्लिनिक के सामने पहुंचे, तभी किसी अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वह साइकिल से उछलकर दूर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए।घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से घायल रमेश चौधरी को इलाज के लिए लोकबंधु अस्पताल पहुंचाया। हालांकि, अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक अपने पीछे पत्नी, एक बेटा और एक बेटी छोड़ गए हैं, जिनमें बेटी की शादी हो चुकी है। हादसे के बाद परिजन और पुलिस मामले की जानकारी जुटाने के लिए वंश क्लिनिक पहुंचे और वहां लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देखने की मांग की। आरोप है कि क्लिनिक प्रबंधन ने फुटेज दिखाने से इनकार कर दिया। इससे नाराज परिजनों ने क्लिनिक की किसी गाड़ी या वहां आए वाहन से दुर्घटना होने का आरोप लगाते हुए प्रदर्शन शुरू कर दिया।

सहारा सिटी खाली करने की प्रक्रिया तेज
सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद नगर निगम सख्त

राजधानी स्थित सहारा सिटी को पूरी तरह खाली कराने की प्रक्रिया तेज हो गई है। पिछले पांच दिनों से परिसर के अंदर ट्रकों और मैक्स वाहनों की आवाजाही लगातार बनी हुई है। सहारा प्रमुख रहे सुब्रत रॉय की पत्नी स्वप्ना रॉय ने भी अपनी कोठी 'स्वप्ना कुटी' (व्हाइट हाउस) से गहने, फर्नीचर, घड़ियां, लॉकर, अलमारी, वाहन और अन्य कीमती सामान बाहर निकलवा लिए हैं।नगर निगम ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि एक बार बाहर निकाले गए सामान को दोबारा परिसर में लाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। साथ ही सहारा प्रबंधन के लोगों का आना-जाना भी अब प्रतिबंधित कर दिया गया है। यह कार्रवाई सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले के बाद की जा रही है, जिसमें सहारा सिटी की लीज समाप्त करने के निर्णय को सही ठहराते हुए परिसर को नगर निगम को सौंपने का आदेश दिया गया है। इस बीच सहारा सिटी में हाल ही में हुई करोड़ों की चोरी का मामला भी चर्चा में है। परिसर से ऑटोमैटिक पिस्टल, कारतूस, महंगी घड़ियां, इलेक्ट्रॉनिक सामान, चांदी और सोने के आभूषण समेत कई कीमती वस्तुएं चोरी हो गई थीं। इस मामले में स्वप्ना रॉय ने कर्मचारियों पर मिलीभगत का आरोप लगाया था। सोमवार को एसटीएफ ने कार्रवाई करते हुए छह आरोपियों के गिरोह का खुलासा कर चोरी का सामान बरामद किया।जांच में यह भी सामने आया है कि सील परिसर में रात के समय रेकी की जा रही थी, जिसमें कुछ कर्मचारियों की संलिप्तता की आशंका जताई गई है। नगर निगम और एसटीएफ ने ऐसे लोगों को चेतावनी दी है। सुरक्षा को देखते हुए गार्डों की संख्या बढ़ाने की मांग भी की गई है।नगर निगम ने बताया कि 30 वर्ष की लीज अवधि पूरी होने और शर्तों के उल्लंघन के चलते 6 अक्टूबर को परिसर को अपने कब्जे में लिया गया था। हाईकोर्ट और सुप्रीम

कोर्ट से राहत न मिलने के बाद अब सहारा सिटी पर नगर निगम का पूर्ण नियंत्रण हो गया है। अधिकारियों का कहना है कि पूरे परिसर की निगरानी बढ़ा दी गई है और किसी भी अवैध गतिविधि पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

उन्नाव में नवरात्र की धूम

मंदिरों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

जिले में गुरुवार को नवरात्र के प्रथम दिन पूरे श्रद्धा और उत्साह के साथ पर्व की शुरुआत हुई। 'जय माता दी' के जयकारों के बीच सुबह से ही जिले भर के मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। श्रद्धालु सुबह जल्दी उठकर मंदिरों में पहुंच गए और विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर माता रानी का आशीर्वाद लिया। व्रत रखने वालों ने पूरे नियमों के साथ उपवास रखा और घरों में कलश स्थापना कर नवरात्र की शुरुआत की। नवरात्र के पहले दिन माता शैलपुत्री की पूजा की गई। पुजारियों के अनुसार, मां शैलपुत्री को सती, पार्वती, दुर्गा, उमा, अपर्णा, गौरी, महेश्वरी, शिवांगी, शुभांगी और पर्वतवासिनी जैसे कई नामों से जाना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक, पूर्व जन्म में सती ने अपने पिता के यज्ञ में अपमानित होने पर अग्नि में देह त्याग दी थी और अगले जन्म में शैलराज की पुत्री पार्वती के रूप में अवतरित हुईं। नवरात्र के पहले दिन मां शैलपुत्री की पूजा से भक्तों को विशेष फल प्राप्त होता है। शुक्लागंज के राजधानी मार्ग स्थित प्राचीन मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें देखने को मिलीं। भक्तों को दर्शन के लिए काफी देर तक लाइन में खड़ा रहना पड़ा। श्रद्धालु सीमा, मोनिका और कंचन ने बताया कि वे हर वर्ष नवरात्र में व्रत रखती हैं। इस बार भी उन्होंने पहले से ही पूजन सामग्री की खरीदारी कर ली थी और सुबह घर में विधि-विधान से कलश स्थापना करने के बाद मंदिर पहुंचीं। हालांकि, उन्हें दर्शन के लिए लंबा इंतजार करना पड़ा, लेकिन माता के दर्शन के बाद उनकी आस्था और भी प्रबल हो गई।नवरात्र के साथ ही बाजारों में भी रौनक बढ़ गई है। पूजन सामग्री की दुकानों पर खरीदारों की भीड़ देखी गई, लेकिन इस बार महंगाई ने श्रद्धालुओं की जेब पर असर डाला है। बाजार में पूजन सामग्री के दामों में बढ़ोतरी साफ नजर आई। जहां पहले पांच रुपये में मिलने वाली चुनरी अब 15 रुपये में बिक रही है, वहीं नारियल 25 रुपये से बढ़कर 35 रुपये का हो गया है। इसी तरह कलश भी 20 रुपये के बजाय 30 रुपये में मिल रहा है। श्रद्धालुओं का कहना है कि व्रत और पूजा से जुड़ी आवश्यक सामग्री की कीमतें बढ़ने से खर्च बढ़ गया है।जिले के प्रमुख मंदिरों जैसे गौरी शंकर मंदिर, आदिबद्री स्थित माता मंत्रा देवी मंदिर और श्री हनुमान दुर्गा मंदिर में भी दिनभर श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। नवरात्र के अवसर पर मंदिरों को रंग-बिरंगी रोशनी से सजाया गया है और वातावरण भक्तिमय बना हुआ है। जगह-जगह भजन-कीर्तन का आयोजन भी किया जा रहा है, जिससे पूरे जिले में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिल रहा है। इस बार नवरात्र में व्रत रखने वाले श्रद्धालुओं को महंगाई का सामना करना पड़ रहा है। पिछले वर्ष की तुलना में नारियल, फल-फूल, चुनरी, कूटू और सिंघाड़े के आटे के दाम सवा से डेढ़ गुना तक बढ़ गए हैं। इसके बावजूद श्रद्धालुओं की आस्था में कोई कमी नहीं आई है और वे पूरे उत्साह के साथ मां दुर्गा की आराधना में जुटे हुए हैं।

ईद पर शांति और भाईचारे की अपील, शहर काजी ने बताए नमाज के समय और नियम

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव के शहर काजी मौलाना निसार अहमद ने आगामी ईद-उल-फितर को शांति, सौहार्द और आपसी भाईचारे के साथ मनाने की अपील की है। उन्होंने बताया कि चांद दिखने के आधार पर 20 या 21 मार्च को शहर में ईद की नमाज अदा होने की संभावना है, जिसका अंतिम निर्णय चांद रात के बाद लिया जाएगा। शहर काजी ने नमाजियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए बड़ी ईदगाह में दो बार नमाज अदा कराने की व्यवस्था की जानकारी दी। पहली नमाज सुबह 7:30 बजे मौलाना निसार अहमद की इमामत में अदा की जाएगी, जबकि दूसरी नमाज सुबह 8:15 बजे मौलाना मोहम्मद वसीम अत्तारी के नेतृत्व में होगी। उन्होंने सभी लोगों से निर्धारित समय से पहले ईदगाह पहुंचने की अपील की, ताकि भीड़भाड़ और अव्यवस्था से बचा जा सके तथा नमाज शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो। मौलाना निसार अहमद ने स्पष्ट रूप से कहा कि ईद की नमाज केवल ईदगाह और मस्जिदों के अंदर ही अदा की जाएगी। सड़कों या सार्वजनिक मार्गों पर नमाज पढ़ने की अनुमति नहीं होगी। उन्होंने बताया कि शहर की सभी मस्जिदों में भी नमाज मस्जिद परिसर के भीतर ही आयोजित की जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने नागरिकों से प्रशासनिक दिशा-निर्देशों का पालन करने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने का आह्वान किया।अपने संदेश में शहर काजी ने ईद को प्रेम, भाईचारे और सौहार्द का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि यह पर्व खुशियां बांटने, एक-दूसरे से गले मिलने और आपसी रिश्तों को मजबूत करने का अवसर प्रदान करता है।

उन्नाव में अनफिट स्कूली वाहन बने खतरा, 150 गाड़ियों की फिटनेस फेल

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

जिले में स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर एक गंभीर मामला सामने आया है। परिवहन विभाग के आंकड़ों के अनुसार, जनपद में पंजीकृत 838 स्कूली वाहनों में से करीब 150 वाहन ऐसे हैं, जिनकी फिटनेस फेल हो चुकी है। इसके बावजूद इन वाहनों को अब तक स्क्रैप नहीं किया गया है, जिससे संभावित खतरे को लेकर सवाल उठने लगे हैं। जिले में पांच सौ से अधिक विद्यालय संचालित हो रहे हैं, जिनमें पढ़ने वाले छात्रों के आवागमन के लिए बड़ी संख्या में वाहन उपयोग में लाए जाते हैं। इन बच्चों को स्कूल तक सुरक्षित पहुंचाने के लिए कुल 838 स्कूली वाहन परिवहन विभाग में पंजीकृत हैं। नियमों के मुताबिक, इन सभी वाहनों के लिए निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन करना और नियमित रूप से फिटनेस जांच कराना अनिवार्य है।परिवहन विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, करीब 150 वाहन ऐसे हैं, जिनकी आयु 15 वर्ष से कम है, लेकिन वे फिटनेस जांच में असफल हो चुके हैं। इसका सीधा मतलब है कि ये वाहन तकनीकी रूप से सड़क पर चलने के लिए उपयुक्त नहीं हैं। ऐसे में इन वाहनों का अस्तित्व ही बच्चों की सुरक्षा के लिए खतरा माना जा रहा है। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि इन अनफिट वाहनों का वर्तमान में स्कूलों द्वारा संचालन नहीं किया जा रहा है। हालांकि, इस दावे के बावजूद यह सवाल खड़ा हो रहा है कि जब ये वाहन उपयोग में नहीं हैं, तो अब तक इन्हें स्क्रैप क्यों नहीं कराया गया। इस तरह के वाहन कभी भी नियमों को दरकिनार कर सड़कों पर उतर सकते हैं, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है।इस मामले में एआरटीओ प्रवर्तन संजीव कुमार सिंह ने बताया कि ऐसे 150 वाहनों की पहचान की गई है, जिनकी फिटनेस फेल हो चुकी है, जबकि उनकी आयु सीमा अभी पूरी नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि संबंधित स्कूल संचालकों से बातचीत कर इन वाहनों की वास्तविक स्थिति की जांच कराई जाएगी।एआरटीओ सिंह ने यह भी स्पष्ट किया कि जो वाहन फिटनेस मानकों पर खरे नहीं उतरेंगे, उनके चेचिस नंबर जमा कराकर स्क्रैप की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। उन्होंने सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि यदि कोई भी अनफिट वाहन सड़क पर संचालित होता पाया गया, तो संबंधित स्कूल प्रबंधन और प्रधानाचार्य के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करते हुए मुकदमा दर्ज किया जाएगा।प्रशासन की इस सख्ती के बावजूद यह जरूरी है कि स्कूल प्रबंधन और अभिभावक भी सतर्क रहें, ताकि बच्चों की सुरक्षा से किसी भी प्रकार का समझौता न हो सके।

उन्नाव-सिरोसी-परियार मार्ग की मरम्मत को नई मंजूरी, 4 करोड़ से होगा कार्य

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव। जिले के महत्वपूर्ण 'उन्नाव-सिरोसी-परियार (अजिमा) मार्ग' के विशेष मरम्मत कार्य को शासन ने नई प्रशासनिक और वित्तीय स्वीकृति प्रदान कर दी है। इसके साथ ही पूर्व में जारी स्वीकृति को निरस्त कर दिया गया है। अब यह कार्य वित्तीय वर्ष 2025-26 में राज्य सड़क निधि के अंतर्गत कराया जाएगा, जिससे लंबे समय से जर्जर इस मार्ग के सुधार की उम्मीद जगी है। गौरतलब है कि इससे पहले 7 नवंबर 2025 को इस मार्ग के आबादी क्षेत्र में सीसी सड़क की मरम्मत के लिए 491.66 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई थी। हालांकि, बाद में मुख्य अभियंता, लोक निर्माण विभाग (मुख्यालय) द्वारा 8 जनवरी 2026 को पत्र भेजकर कार्य के पुनर्गठित आगणन (रिवाइज्ड एस्टीमेट) पर पुनर्विचार का अनुरोध किया गया था। इसके बाद शासन ने प्रस्ताव का पुनः परीक्षण कर पुरानी स्वीकृति को निरस्त करते हुए संशोधित लागत के आधार पर कार्य को दोबारा मंजूरी दे दी।नए आदेश के अनुसार, 'उन्नाव-सिरोसी-परियार (अजिमा) मार्ग' के आबादी वाले हिस्से में सीसी सड़क की मरम्मत के लिए कुल 4 करोड़ 6 हजार रुपये की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति दी गई है। साथ ही चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 में राज्य सड़क निधि के तहत अनुदान संख्या-58 के लेखाशीर्षक 3054 से प्रथम चरण में 1 करोड़ 40 लाख 2 हजार रुपये की धनराशि जारी करने की भी मंजूरी मिल गई है। शेष धनराशि कार्य की प्रगति और आवश्यकता के अनुसार उपलब्ध कराई जाएगी।लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, इस सड़क की मरम्मत लंबे समय से प्रस्तावित थी। मार्ग की खराब स्थिति के कारण स्थानीय लोगों और वाहन चालकों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। चूंकि यह क्षेत्र आबादी वाला है, इसलिए यहां यातायात का दबाव अधिक रहता है, जिससे सड़क की स्थिति और खराब हो गई थी और मरम्मत की आवश्यकता अत्यंत जरूरी हो गई थी। नई स्वीकृति मिलने के बाद विभाग ने कार्य को जल्द शुरू कराने की दिशा में कदम बढ़ा दिए हैं। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही टेंडर प्रक्रिया शुरू की जाएगी, जिसके बाद मरम्मत कार्य आरंभ होगा। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि निर्माण कार्य गुणवत्ता मानकों के अनुरूप कराया जाएगा, ताकि सड़क लंबे समय तक टिकाऊ बनी रहे। स्थानीय निवासियों ने इस निर्णय का स्वागत किया है और उम्मीद जताई है कि सड़क की मरम्मत पूरी होने के बाद आवागमन सुगम होगा। साथ ही दुर्घटनाओं की संभावना में भी कमी आएगी। शासन के इस

बंद फैक्ट्री में मिला मजदूर का शव, इलाके में सनसनी

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव के सदर कोतवाली क्षेत्र में एक मजदूर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।मृतक की पहचान 55 वर्षीय बृजलाल यादव के रूप में हुई है, जो भगवती खेड़ा शेखपुर नारी, थाना सदर के निवासी थे। परिजनों के अनुसार, बृजलाल यादव मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। वह बंथर क्षेत्र स्थित सुपर इंटरनेशनल नामक एक बंद पड़ी फैक्ट्री परिसर के पास गड्ढा खोदने का कार्य कर रहे थे।बताया जा रहा है कि मंगलवार शाम को बृजलाल यादव फैक्ट्री परिसर के एक कमरे में मृत अवस्था में पाए गए। स्थानीय लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी, जिसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल शुरू की। घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद पुलिस ने आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।पुलिस अधिकारियों के अनुसार, मौत के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। प्रारंभिक तौर पर मामले को संदिग्ध मानते हुए सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।बुधवार सुबह पोस्टमार्टम हाउस पर मृतक के परिजन भी पहुंचे, जहां उनका रो-रोकर बुरा हाल था। परिजनों ने बताया कि बृजलाल यादव ही परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्य थे। उनके परिवार में पांच बेटियां और एक बेटा है, जिनमें से दो बेटियों की शादी हो चुकी है, जबकि तीन बेटियों की शादी अभी बाकी है। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

5 साल से लंबित मामलों पर रोज सुनवाई का आदेश, अधिकारियों में हड़कंप

उन्नाव। डीएम गौरांग राठी के निर्देश पर कलेक्ट्रेट स्थित पन्नालाल सभागार में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) सुशील कुमार गोंड की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कर-करेत्तर एवं राजस्व कार्यों, एंटी भू-माफिया, आपदा प्रबंधन और चकबंदी कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई।समीक्षा के दौरान वाणिज्यकर, स्टाम्प एवं रजिस्ट्रेशन, आबकारी, परिवहन, ऊर्जा, नगर विकास, वन, खनन, कृषि विपणन और सिंचाई विभाग की राजस्व वसूली का आकलन किया गया। कुछ विभागों की वसूली लक्ष्य से कम पाए जाने पर एडीएम ने नाराजगी जताई और वित्तीय वर्ष समाप्त होने से पहले शत-प्रतिशत वसूली सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही राजस्व बढ़ाने के लिए विशेष अभियान चलाने को कहा।राजस्व न्यायालयों में लंबित मामलों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया गया कि पांच वर्ष से अधिक पुराने वादों की प्रतिदिन सुनवाई कर शीघ्र निस्तारण किया जाए। 10 बड़े बकायेदारों के खिलाफ कार्रवाई की प्रगति पर भी नजर रखने को कहा गया। आपदा प्रबंधन को लेकर अधिकारियों को सतर्क रहने और विशेषज्ञ विनय तिवारी से समन्वय कर त्वरित राहत सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही चकबंदी कार्य समयबद्ध तरीके से पूरा करने को कहा गया। बैठक में नगर मजिस्ट्रेट समेत सभी संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक बना राम मंदिर, योगी ने गिनाई आस्था की ताकत

अयोध्या में राम जन्मभूमि मंदिर में 'राम यंत्र' की स्थापना पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसे आस्था और राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक बताया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की उपस्थिति में कार्यक्रम हुआ। पूरे शहर को सजाया गया और सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए, जिससे उत्सव जैसा माहौल बना रहा।

टीवी भारतवर्ष उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को राम जन्मभूमि मंदिर में 'राम यंत्र' की स्थापना को ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण क्षण बताया। उन्होंने कहा कि मंदिर के पूर्ण होने के उपलक्ष्य में यंत्र की स्थापना से सनातन धर्म के प्रत्येक अनुयायी और हर सच्चे भारतीय को आनंद की अनुभूति हो रही है। यह भारत की अटूट आस्था और श्रद्धा का प्रतीक है।अपने संबोधन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि एक समय ऐसा था जब भारत की आस्था को अंधविश्वास कहकर अपमानित किया जाता था। उन्होंने आरोप लगाया कि यह अपमान उन्हीं लोगों ने किया, जो कभी उत्तर प्रदेश और देश की सत्ता में रहे। बावजूद इसके, देशवासियों की भक्ति कभी डगमगाई नहीं और न ही झुकी। उन्होंने कहा कि वर्षों तक कष्ट सहने के बावजूद आस्था अडिग रही और आज उसी का परिणाम है कि राम जन्मभूमि मंदिर में 'राम यंत्र' की स्थापना पूर्ण हुई है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि राम जन्मभूमि मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं है, बल्कि यह भारत के 'राष्ट्रीय मंदिर' का प्रतीक बन चुका है। उन्होंने नई पीढ़ी की धार्मिक आस्था की सराहना करते हुए कहा कि यह बदलते भारत की पहचान है। योगी ने कहा कि आज का युवा नव वर्ष जैसे अवसरों पर पर्यटन स्थलों की बजाय मंदिरों में जाकर पूजा-अर्चना करना पसंद कर रहा है, जो सकारात्मक बदलाव का संकेत है। इस अवसर पर देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अयोध्या पहुंचकर राम जन्मभूमि मंदिर के दूसरे तल पर 'राम यंत्र' की स्थापना की। इस दौरान उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे। मंदिर का दूसरा तल इसका अंतिम तल है, जहां यंत्र की स्थापना को पूर्णता का प्रतीक माना जा रहा है। कार्यक्रम के उपलक्ष्य में अयोध्या नगरी को भव्य रूप से सजाया गया। मुख्य सड़कों, चौराहों और मंदिर तक जाने वाले मार्गों पर बड़े-बड़े बैनर और पोस्टर लगाए गए, जिनमें राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तस्वीरें प्रमुखता से प्रदर्शित की गईं। पूरे शहर को भगवा झंडों और सजावटी पताकाओं से सजाया गया, जिससे वातावरण पूरी तरह धार्मिक और उत्सवपूर्ण हो गया।प्रशासन ने कार्यक्रम को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए व्यापक तैयारियां की थीं। सुरक्षा व्यवस्था को कड़ा किया गया था, वहीं स्वच्छता और यातायात प्रबंधन के भी विशेष इंतजाम किए गए थे, ताकि श्रद्धालुओं और आगंतुकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। राम जन्मभूमि मंदिर में 'राम यंत्र' की स्थापना को लेकर देशभर में श्रद्धालुओं के बीच उत्साह और उल्लास का माहौल देखा गया, जिसे भारतीय आस्था और सांस्कृतिक विरासत के महत्वपूर्ण पड़ाव के रूप में देखा जा रहा है।

गर्लफ्रेंड से नाराज युवक ने दी कानपुर सेंट्रल उड़ाने की धमकी

टीवी भारतवर्ष कानपुर

उत्तर प्रदेश के कानपुर से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां निजी रंजिश के चलते एक युवक ने गंभीर अपराध को अंजाम देने की कोशिश की। पुलिस के अनुसार, एक युवक ने अपनी गर्लफ्रेंड से नाराज होकर बदला लेने के इरादे से कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन को बम से उड़ाने की धमकी दे दी। जानकारी के मुताबिक, आरोपी युवक ने 27 फरवरी को पुलिस कंट्रोल रूम पर फोन कर स्टेशन को बम से उड़ाने की धमकी दी थी। इस सूचना के बाद पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां तुरंत हरकत में आ गईं और मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी गई। जांच के दौरान पुलिस ने कॉल करने वाले नंबर की पहचान की और आईएमईआई नंबर के जरिए आरोपी तक पहुंच बनाई।पुलिस ने आरोपी अरशद अली को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने जो कहानी बताई, वह बेहद चौंकाने वाली थी। आरोपी ने बताया कि उसकी गर्लफ्रेंड ने उसे प्यार में धोखा दिया, जिससे वह काफी आहत था। जब उसने इसका विरोध किया, तो कथित तौर पर गर्लफ्रेंड ने अपने रिश्तेदारों से उसकी पिटाई करवाई। इतना ही नहीं, युवक का आरोप है कि उसके खिलाफ झूठा केस भी दर्ज कराया गया, जिसके चलते उसे जेल जाना पड़ा।इन घटनाओं से नाराज और मानसिक रूप से परेशान होकर अरशद ने बदला लेने की ठानी। इसी के तहत उसने पुलिस कंट्रोल रूम में फोन कर बम धमकी दी, ताकि अपनी गर्लफ्रेंड और उसके परिचितों को फंसाया जा सके। हालांकि, पुलिस की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई के चलते आरोपी को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया गया। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और आरोपी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जा रही है। इस घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि व्यक्तिगत विवाद किस तरह

HPCL प्लांट हत्याकांड में जांच तेज, कॉल डिटेल से खुलेंगे राज

टीवी भारतवर्ष बदायूं

उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले में एचपीसीएल प्लांट के मैनेजर और डिप्टी मैनेजर की हत्या के मामले में पुलिस ने जांच का दायरा और बढ़ा दिया है। इस सनसनीखेज हत्याकांड में मुख्य आरोपी के अलावा अन्य लोगों की संलिप्तता की भी गहन पड़ताल की जा रही है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, पुख्ता सबूत मिलने पर सात से आठ और लोगों को आरोपी बनाया जा सकता है।जांच में कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) को अहम आधार बनाया गया है। वारदात के समय और उसके आसपास मुख्य आरोपी से संपर्क में रहे लोगों की कॉल डिटेल खंगाली जा रही है। इससे यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि घटना में किस-किस की भूमिका रही और किन लोगों ने अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग किया। मृतक हर्षित मिश्रा के परिजनों ने भी इस मामले में कुछ संदिग्ध लोगों के नाम पुलिस को सौंपे हैं। उन्होंने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को बंद लिफाफे में ये नाम दिए, जिनकी भूमिका की अब जांच की जा रही है। पुलिस इन संदिग्धों से पूछताछ की तैयारी कर रही है और उनके खिलाफ साक्ष्य मिलने पर कार्रवाई की जाएगी। अनुराग आर्य और अजय कुमार साहनी ने स्पष्ट किया है कि दोनों पक्षों के संपर्क में रहने वाले सभी लोगों की पहचान कॉल डिटेल के आधार पर की जा रही है। इसके साथ ही प्लांट के गेट पर तैनात गार्ड, घटनास्थल के आसपास मौजूद कर्मचारियों, मृतकों के परिजनों और कंपनी अधिकारियों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं।जांच एजेंसियां हर पहलू को ध्यान में रखते हुए आगे बढ़ रही हैं। जिन लोगों की भूमिका संदिग्ध पाई जाएगी, उन्हें नोटिस जारी कर पूछताछ की जाएगी। इस मामले में किसी भी प्रभावशाली व्यक्ति की संभावित संलिप्तता को भी नजरअंदाज नहीं किया जा रहा है।पूरे हत्याकांड की जांच के लिए गठित एसआईटी टीम हर एंगल से मामले की पड़ताल कर रही है, ताकि दोषियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर सख्त कार्रवाई की जा सके।

बांदा में LPG घोटाला! 700 सिलेंडर गायब, कालाबाजारी का बड़ा खुलासा

टीवी भारतवर्ष

उत्तर प्रदेश में एलपीजी संकट लगातार गहराता नजर आ रहा है, और बांदा जिले में प्रशासन की हालिया छापेमारी ने कालाबाजारी के एक बड़े गिरोह का खुलासा कर दिया है। जांच के दौरान एक ही दिन में 700 से अधिक गैस सिलेंडर गायब पाए गए, जबकि सरकारी रिकॉर्ड में पर्याप्त स्टॉक दर्शाया जा रहा था। इस खुलासे ने न केवल आपूर्ति व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं, बल्कि उपभोक्ताओं की परेशानी को भी उजागर कर दिया है। पिछले कई दिनों से जिले की गैस एजेंसियों के बाहर लंबी-लंबी कतारें देखने को मिल रही हैं। उपभोक्ता तेज धूप में घंटों इंतजार करने के बावजूद खाली हाथ लौटने को मजबूर हैं। कई लोगों का कहना है कि वे लगातार चार से पांच दिनों से एजेंसियों के चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन उन्हें सिलेंडर नहीं मिल पा रहा। एक उपभोक्ता ने अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि वे रोज आते हैं, लेकिन यहां गैस उपलब्ध नहीं है, जबकि अन्य स्थानों पर यही सिलेंडर अधिक कीमत पर बेचे जा रहे हैं। प्रशासन द्वारा किए गए निरीक्षण में एक और चौंकाने वाला तथ्य सामने आया है। पाया गया कि कई होटल और व्यावसायिक प्रतिष्ठान घरेलू एलपीजी सिलेंडरों का उपयोग कर रहे थे, जबकि उन्हें व्यावसायिक सिलेंडरों का इस्तेमाल करना चाहिए। इस दुरुपयोग के कारण घरेलू उपभोक्ताओं के लिए गैस की कमी और अधिक बढ़ गई है। जिलाधिकारी के निर्देश पर गैस एजेंसियों, होटलों और रेस्तरां में व्यापक स्तर पर जांच अभियान चलाया गया। उपजिलाधिकारी नमन मेहता ने बताया कि पोर्टल पर दिखाए गए स्टॉक और जमीनी स्तर पर उपलब्ध सिलेंडरों में भारी अंतर पाया गया, जिससे गड़बड़ी की पुष्टि हुई। उन्होंने कहा कि यह मामला गंभीर है और इसमें शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जांच के बाद प्रशासन ने दो अलग-अलग मामलों में एफआईआर दर्ज कर ली है—एक लापता सिलेंडरों को लेकर और दूसरा घरेलू गैस के दुरुपयोग को लेकर। संबंधित विभागों को विस्तृत रिपोर्ट सौंप दी गई है और आगे की कानूनी प्रक्रिया जारी है। अधिकारियों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि कालाबाजारी या नियमों के उल्लंघन के मामलों में सख्त कार्रवाई की जाएगी।